राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु 18 नवंबर 2025 को पुरस्कार प्रदान करेंगी

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

लाल किला बम ब्लास्ट मामले की जांच एनआईए को सौंपी

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 312 | रायपुर | बुधवार 12 नवंबर 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

दिल्ली में लगातार बढ़ रहे प्रदूषण पर बड़ा फैसला, ग्रेप-3 लागू

नई दिल्ली एजेंसी

राजधानी दिल्ली में प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। शहर के विभिन्न हिस्सों में धुआं स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। लगातार बिगड़ती वायु गुणवत्ता को देखते हुए केंद्र सरकार ने दिल्ली-एनसीआर में गैर-जरूरी निर्माण कार्यों पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही जीआरएपी-3 के तहत कई नए प्रतिबंध लागू कर दिए गए हैं। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीक्यूएम) के अनुसार, मंगलवार को जहां दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 362 था, वहीं मंगलवार सुबह यह बढ़कर 425 हो गया। शांत हवाओं, स्थिर वातावरण और सर्द मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण प्रदूषक सतह के पास ही जमा हो रहे हैं। जीआरएपी-3 के तहत गैर-जरूरी निर्माण कार्यों, स्टोन क्रशर और खनन गतिविधियों पर रोक लगाई गई है। इसके साथ ही कक्षा 5 तक के स्कूलों को हाइब्रिड मोड में चलाने की सलाह दी गई है ताकि छात्र-छात्राएं और अभिभावक चाहें तो ऑनलाइन शिक्षा का विकल्प चुन सकें। चरण 3 के तहत दिल्ली और आसपास के एनसीआर जिलों में बीएस-III पेट्रोल और बीएस-IV डीजल चारपहिया वाहनों के उपयोग पर भी प्रतिबंध लागू है। हालांकि, विकलांग व्यक्तियों के वाहनों को इससे छूट दी गई है।

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने कहा, वर्तमान वायु गुणवत्ता प्रवृत्तियों को ध्यान में रखते हुए, उप-समिति ने एनसीआर में जीआरएपी के चरण-III के तहत सभी कार्रवाइयों को तत्काल प्रभाव से लागू करने का निर्णय लिया है।

दिल्ली ब्लास्ट पर भूटान में बोले प्रधानमंत्री मोदी

किसी भी साजिशकर्ता को बख्शा नहीं जाएगा: मोदी

जांच में मिले दो जिंदा कारतूस

नईदिल्ली,एजेंसी

भारत की राजधानी दिल्ली में लाल किला के पास सोमवार को हुए भीषण कार ब्लास्ट की जांच जारी है। दिल्ली पुलिस समेत देश की तमाम एजेंसियां मौके पर मौजूद हैं और धमाके के कारण की जांच कर रही हैं। पुलिस ने घटना की जांच करते हुए कई संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने भूटान से दोषियों पर कार्रवाई करने का ऐलान किया है।

पीएम मोदी ने कहा कि ÷दिल्ली में हुई भयावह घटना ने सभी के मन को व्यथित कर दिया है। मैं भूटान बहुत भारी मन से आया हूं। पूरी रात इस घटना की जांच से जुड़ी एजेंसियों के साथ में मीटिंग करता रहा। पूरा देश पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है। मैं पीड़ित परिवारों का दर्द समझा हूं। एजेंसियां इस साजिश की तह तक जाएंगी। किसी भी साजिशकर्ता को बख्शा नहीं जाएगा।

FSL टीम को ब्लास्ट स्पॉट की जांच के दौरान 2 ज़िंदा कारतूस मिले हैं और दोनों ज़िंदा कारतूस ब्लास्ट साइट से FSL टीम को मिले है। दो तरह के विस्फोटक के सैम्पल FSL को स्पॉट से मिले हैं, जिसमें से पहला सैम्पल संभावित अमोनिया नाइट्रेट जैसा है, वहीं दूसरा विस्फोटक अमोनिया नाइट्रेट से भी ज्यादा घातक है जिसकी जांच की जा रही है। जांच के बाद ही साफहोगा दूसरा विस्फोटक किस तरह का है।

जांच में नया खुलासा, फरीदाबाद के सेकेंड-हैंड डीलर से खरीदी गई थी संदिग्ध कार, मुख्य संदिग्ध डॉ. उमर के परिवार समेत 6 लोग रातों-रात हिरासत में

दिल्ली में लाल किले के पास हुए कार विस्फोट की जांच में नया खुलासा हुआ है। विस्फोट में इस्तेमाल की गई हुंडई आई-20 कार फरीदाबाद के सेक्टर-37 स्थित एक सेकेंड-हैंड कार डीलर से खरीदी गई थी। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, हुंडई आई-20 कार शुरू में मोहम्मद सलमान के पास थी, जिसे सोमवार रात गिरफ्तार किया गया था। कार का मालिकाना हक कई बार बदला गया।

आतंकी की गर्लफ्रेंड के घर ATS का छापा: शाहीन को फरीदाबाद से J&K पुलिस ने सोमवार को अरेस्ट किया था। वह डॉक्टर मुजम्मिल शकील की गर्लफ्रेंड बताई जा रही है। J&K पुलिस ने उसकी कार से AK-47, पिस्टल और कारतूस बरामद किए थे। टीम के साथ जम्मू-कश्मीर पुलिस मंगलवार दोपहर डॉक्टर शाहीन शाहिद के घर पहुंची थी। उसका घर लखनऊ में लालबाग इलाके के खंदारी बाजार में है। यहां शाहीन के पिता सईद अंसारी मौजूद थे। टीम ने पूरे घर को खंगाला। आस-पड़ोस के लोगों से भी पूछताछ की। दोनों टीमों के सहयोग में लखनऊ पुलिस भी लगी रही।इसके पहले पुलिस टीम ने मड़ियांव थाना क्षेत्र में शाहीन के भाई डॉ. परवेज अंसारी के घर को 3 घंटे तक खंगाला।

इरफान अहमद गिरफ्तार

जम्मू कश्मीर पुलिस ने इरफ ान अहमद को गिरफ्तार किया। इरफ ान अहमद शोपियां का रहने वाला है। इरफ ान अहमद श्रीनगर की मस्जिद में इमाम हैं। उन्हें फरीदाबाद टेरर मॉड्यूल मामले में हुई है गिरफ्तारी। सीआईके टीम ने श्रीनगर पुलिस की मदद से इरफ ान अहमद के शोपियां से गिरफ्तार किया है। पुलिस को इरफान अहमद के पास से 5 मोबाइल फ ोन भी मिले है। इंडियन अहमद पर radicalisation का आरोप है। इरफान अहमद की पत्नी को भी हिरासत में लिया गया है।

दिल्ली धमाके के बाद सोशल मीडिया पर जांच एजेंसियों की नजर, कई इलाकों से लिया जा रहा डंप डेटा

नई दिल्ली। दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के नजदीक हुए कार धमाके की जांच तेज हो गई है। सूत्र बताते हैं कि जांच एजेंसियां सोशल मीडिया और मोबाइल कम्युनिकेशन पर कड़ी नजर रख रही हैं। जांच एजेंसियां मोबाइल फोन के डंप डेटा पर फोकस कर रही हैं और कई इलाकों से यह डेटा लिया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, लालकिले के आसपास ऑपरेट हो रहे सभी मोबाइल फोनों का डंप डेटा लिया जा रहा है। पार्किंग क्षेत्र में खड़ी गाड़ी से जुड़े संभावित फोन नंबरों की पहचान की जा रही है। इसके अलावा, धमाके वाली गाड़ी में सवार लोग या इससे जुड़े व्यक्तियों ने आपस में बातचीत की होगी, इसलिए पार्किंग फोन डेटा को अहम सबूत माना जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, फरीदाबाद क्षेत्र में भी डंप डेटा के जरिए कम्युनिकेशन पैटर्न के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है, ताकि यह पता चल सके कि कितने लोग आपस में संपर्क में थे। सूत्र बताते हैं कि डंप डेटा से उन फोन नंबरों का सुराग मिल सकता है जो धमाके से सीधे जुड़े हों।

बिहार : दूसरे फेज में रिकॉर्ड 68.79% वोटिंग : 2020 चुनाव से 10% ज्यादा मतदान

एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए अंतिम चरण का मतदान संपन्न हो गया। मुस्लिम बहुल किशनगंज में सबसे ज्यादा 77.75% मतदान हुआ है। जबकि नवादा में सबसे कम 57.76% वोट डाले गए।

वोटिंग खत्म होने के बाद बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विनोद सिंह गुजियाल ने बताया कि 'दूसरे और आखिरी फेज में 20 जिलों की 122 सीटों पर 68.79% मतदान हुआ है। वहीं दोनों चरण मिलाकर कुल 66.90% मतदान हुआ है।' पहले फेज में 65.08% वोटिंग हुई थी। पिछले साल 2020 में 57 फीसदी वोटिंग हुई थी। इस लिहाज से इस बार 10% ज्यादा वोटिंग हुई है। बंपर वोटिंग को लेकर केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने दावा किया कि दूसरे फेज की 122 सीटों में से 80 हम जीतने वाले हैं। वहीं तेजस्वी यादव ने कहा है कि लोगों ने बढ़-चढ़कर मतदान कर रहे हैं। मेरा मन गदगद है।

बिहार एग्जिट पोल में एनडीए को स्पष्ट बढ़त, महागठबंधन पिछड़ा

सर्वेक्षणों में नीतीश-मोदी गठजोड़ को 133 से 167 सीटों का अनुमान

नई दिल्ली,एजेंसी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के एग्जिट पोल के नतीजे आ चुके हैं और सभी प्रमुख सर्वेक्षण संस्थानों ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को बड़ी जीत की भविष्यवाणी की है. 11 नवंबर की शाम 7 बजे तक जारी नतीजों के अनुसार, एनडीए को 133 से 167 सीटों तक मिलने का अनुमान है, जबकि विपक्षी महागठबंधन (एमजीबी) को 70 से 102 सीटों के बीच सीमित बताया गया है. इन नतीजों से साफसंकेत मिलता है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाला गठबंधन एक बार फि सत्ता में वापसी की ओर अग्रसर है. एग्जिट पोल एजेंसियों – पीपुल्स पल्स, पीपुल्स इनसाइट, मैट्राइज और पी-मार्क – ने अपने सर्वेक्षणों में अलग-अलग आंकड़े दिए हैं, लेकिन रुझान लगभग एक समान हैं. पीपुल्स पल्स के पहले प्रोजेक्शन में एनडीए को 133 से 159 सीटें, जबकि महागठबंधन को 75 से 101 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है. वहीं मैट्राइज एजेंसी ने एनडीए को 147 से 167 सीटों के बीच भारी जीत की संभावना जताई है. पीपुल्स इनसाइट ने अपने अनुमान में एनडीए को 133 से 148 सीटें दी हैं, जबकि महागठबंधन को 87 से 102 सीटों के बीच सीमित बताया है. एनडीए के भीतर भाजपा को 68-72 सीटें, जेडीयू को 55-60 सीटें, एलजेपी को 9-12 सीटें और हम (हितमंजेही अवाम मोर्चा) को 1-2 सीटें मिलने की संभावना जताई गई है. वहीं, महागठबंधन के घटक राजद को 65-72, कांग्रेस को 9-13, और वाम दलों को 11-14 सीटें मिलने का अनुमान है. 243 सीटों वाली बिहार विधानसभा में बहुमत का जादुई आंकड़ा 122 सीटें है. अगर एग्जिट पोल के ये अनुमान सही साबित होते हैं, तो एनडीए यह सीमा पार कर निर्णायक बहुमत के साथ सत्ता में लौटेगा. दूसरी ओर, विपक्षी खेमे के नेता और आरजेडी के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने मतदान के बाद सोशल मीडिया पर कहा कि ÷बिहार ने इस बार चमत्कार कर दिखाया है. हर वर्ग और हर समुदाय ने लोकतंत्र के इस पर्व में बड़ी संख्या में हिस्सा लिया है.÷ उन्होंने दावा किया कि जनता बदलाव के मूड में है.

हालांकि एग्जिट पोल के आंकड़े तेजस्वी यादव के इस दावे को कमजोर करते दिख रहे हैं. महागठबंधन को लगभग सभी सर्वेक्षणों में 100 सीटों के भीतर रखा गया है, जिससे सत्ता पलट की संभावना कमजोर पड़ती नजर आ रही है. पीपुल्स पल्स के एक अन्य सर्वे में मुख्यमंत्री के रूप में जनता की पसंद को लेकर दिलचस्प नतीजे सामने आए हैं. इसमें तेजस्वी यादव को 32त्न, नीतीश कुमार को 30%, प्रशांत किशोर और चिराग पासवान को 8-8%, जबकि सम्राट चौधरी को 6% और अन्य को 14% मत मिले हैं।

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में टॉप कमांडर समेत 6 नक्सली ढेर, हथियार भी बरामद

बीजापुर/ रायपुर. छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर (बस्तर रीजन) इलाके में डीआरजी-एसटीएफएवं अन्य सुरक्षा बलों की संयुक्त कार्रवाई में आज भारी मुठभेड़ हुई है. इस एनकाउंटर में कुल छह माओवादी मारे गए, जिसमें एक हाई-प्रोफ इल कमांडर बुच अन्ना भी शामिल बताया जा रहा है. फ ायरिंग अभी भी पूरी तरह थमी नहीं है और इलाके में सुरक्षाबलों की तैनाती बढ़ा दी गई है. सुरक्षा बलों ने पूरे मद्देड क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन भी शुरू कर रखा है, रुक-रुक कर फायरिंग की स्थिति बनी हुई है. ढ्ढत्र सुंदरराज पी. ने कहा कि यह सुरक्षा बलों की निर्णायक बढ़त है और इससे दक्षिण बस्तर में माओवादी नेटवर्क को भारी नुकसान पहुंचा है।

शेख हसीना के बाद अब यूनुस सरकार के खिलाफभी सड़कों पर उतरे बांग्लादेशी छात्र, पुलिस को करना पड़ा वॉटर कैनन

ढाका : एजेंसी

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस के खिलाफ भी बांग्लादेशी छात्र अब सड़कों पर उतर आए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ आंदोलन चलाकर अगस्त 2024 में उन्हें अपदस्थ करने वाले छात्रों का गुस्सा अब यूनुस सरकार के खिलाफ सड़कों पर देखने को मिल रहा है। व्यापक पैमाने पर सरकार की नीतियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों को काबू करना यूनुस की पुलिस के लिए मुश्किल भरा हो गया। इसके बाद छात्रों पर वॉटर कैनन और आंसू गैस के गोले का इस्तेमाल करना पड़ा।

क्या है मामला - न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार यह प्रोटेस्ट बांग्लादेश की राजधानी ढाका में सैकड़ों प्राथमिक स्कूल शिक्षकों के वेतन वृद्धि समेत अन्य मांगों को लेकर शुरू हुआ था, जो बाद में पुलिस की क्रूर कार्रवाई में बदल गया। इस विरोध प्रदर्शन में बांग्लादेशी छात्र भी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर सड़क पर उतर आए। दरअसल बांग्लादेशी सरकार ने प्राइमरी स्कूलों में संगीत और पीटी के शिक्षकों की नियुक्ति को रद्द कर दिया है। इससे छात्रों और शिक्षकों में सरकार के खिलाफभारी आक्रोश पैदा हो गया है।

विदेश | इस दिन से लागू होगा नया कानून

आस्ट्रेलिया सरकार का फैसला : 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए एफबी,इंस्टा, टिकटॉक बैन

सिडनी एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया सरकार ने बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को मजबूत करने और उनके मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा के लिए एक ऐतिहासिक व कड़ा कदम उठाया है। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने घोषणा की है कि अब देश में 16 वर्ष से कम उम्र के किसी भी बच्चे को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं होगी। यह नया और सख्त नियम 10 दिसंबर 2025 से पूरे देश में प्रभाव में आएगा। इसके बाद फेसबुक, इंस्टाग्राम, टिकटॉक, स्नैपचैट, एक्स (पहले ट्विटर), यूट्यूब, रेडिट और किक जैसे सभी प्रमुख प्लेटफॉर्म्स पर कोई भी नाबालिग (16 साल से कम) न तो नया अकाउंट बना सकेगा और न ही अपना मौजूदा अकाउंट चला सकेगा। प्रधानमंत्री अल्बनीज ने इस फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और उनके समग्र विकास की रक्षा के लिए यह कदम अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने जोर देकर कहा, डिजिटल दुनिया बच्चों के भविष्य को खतरे में नहीं डाल सकती।

सरकार का लक्ष्य इस कानून के जरिए बच्चों को हानिकारक कंटेंट से बचाना और अत्यधिक स्क्रीन टाइम के दुष्प्रभावों को कम करना है। पीएम ने बताया कि वैश्विक शोधों से यह बात सामने आई है कि लंबे समय तक सोशल मीडिया का उपयोग चिंता, नींद की कमी और एकाग्रता में कमी जैसी गंभीर समस्याओं को बढ़ावा देता है।

इस कानून को लागू करने में सबसे बड़ी चुनौती उम्र का सत्यापन (Age Verification) होगी। इस पर संचार मंत्री मिशेल राउस ने कहा कि सोशल मीडिया कंपनियों को इस कानून का पालन सुनिश्चित करने के लिए उन्नत तकनीकों का सहारा लेना पड़ेगा। इसके लिए उपयोगकर्ताओं को सरकारी आईडी या अन्य आधिकारिक दस्तावेज जमा करने पड़ सकते हैं, साथ ही चेहरे की पहचान (Facial Recognition) या आवाज के विश्लेषण (Voice Analysis) जैसे बायोमेट्रिक तरीकों से भी उम्र का अनुमान लगाया जाएगा। इतना ही नहीं, उपयोगकर्ता के शब्द चयन, ब्राउजिंग पैटर्न या नेटवर्क कनेक्शन का विश्लेषण कर (व्यवहार-आधरित अनुमान) भी आयु का आकलन किया जा सकता है।

संचार मंत्री अनिका वेल्स ने स्पष्ट किया कि हालांकि ये विधियां 100 फीसदी सटीक नहीं होंगी, लेकिन (कंपनियों द्वारा) प्रयास न करना अपराध माना जाएगा।

भारत-भूटान मिलकर लिखेंगे ऊर्जा और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में नया अध्याय

एजेंसी थिंपू:

भारत और भूटान अब ऊर्जा व कनेक्टिविटी के क्षेत्र में मिलकर प्रगति का नया इतिहास रचने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भूटान के राजा जग्मे खेसार नामग्येल वांगचुक की जयंती समारोह में कहा कि भारत और भूटान न केवल सीमाओं से, बल्कि संस्कृति, मूल्यों और शांति से भी गहराई से जुड़े हैं। चांगलीमेथांग स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने दोनों देशों के बीच ऊर्जा सहयोग और कनेक्टिविटी बढ़ाने का आह्वान किया।

पीएम मोदी ने किया 1000 मेगावाट की जलविद्युत योजना का शिलान्यास - पीएम मोदी ने पूर्व राजा जग्मे सिंग्ये वांगचुक के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनकी दूरदर्शिता ने भूटान को दुनिया का पहला 'कार्बन-नेगेटिव' देश बनाया। उन्होंने भूटान की 100त्न बिजली नवीकरणीय स्रोतों से उत्पादित होने पर प्रसन्नता जताई। इस अवसर पर 1,000 मेगावाट की नई जलविद्युत परियोजना का शिलान्यास किया गया, जो भूटान की क्षमता में 40% वृद्धि लाएगी। साथ ही, लंबे समय से ठप एक अन्य परियोजना को पुनः आरंभ करने की घोषणा हुई। सौर ऊर्जा में सहयोग के लिए महत्वपूर्ण समझौते भी हस्ताक्षरित हुए।

भारत के साथ रेल नेटवर्क से जुड़ेगा भूटान - कनेक्टिविटी पर फोकस करते हुए पीएम ने गेलेफु और समद्रुप जोंगखार को भारत के रेल नेटवर्क से जोड़ने की परियोजना का जिक्र किया। उन्होंने कहा, ÷कनेक्टिविटी अवसर पैदा करती है, जो समृद्धि लाती है।÷ इसके अलावा, गेलेफुमाइंडफुलनेस सिटी के विकास के लिए भारत का पूर्ण समर्थन और आव्रजन चौकी स्थापना की घोषणा की। सीमा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर भी तेजी से काम हो रहा है।

भारत भूटान को देगा 10 हजार करोड़ की सहायता पीएम ने 2014 में अपनी पहली विदेश यात्रा के रूप में भूटान आने को भावुकता से याद किया। उन्होंने कहा, ÷हमारे संबंध सशक्त हैं; चुनौतियों का सामना साथ किया और अब प्रगति की राह पर हैं।÷ भारत ने भूटान की 13वीं पंचवर्षीय योजना के लिए 10,000 करोड़ रुपये की सहायता का उल्लेख किया। कार्यक्रम में पूर्व राजा की 70वीं जयंती मनाई गई, जहां पीएम मोदी ने उनके जीवन को ज्ञान, सादगी और सेवा का प्रतीक बताया। विशेषज्ञों का मानना है कि ये पहल दोनों देशों की अर्थव्यवस्था को मजबूत करेंगी।

भूटान के नेतृत्व ने भी जताया शोक

भूटान के नेतृत्व ने भी 10 नवंबर को दिल्ली में हुए विस्फोट में बहुमूल्य जिंदगियों की दुखद क्षति पर हार्दिक संवेदना व्यक्त की है और विस्फोट से प्रभावित सभी लोगों के लिए विशेष प्रार्थना की है। भूटान के महामहिम राजा ने थिम्पू के चांगलिमिथांग स्टेडियम में, दिल्ली विस्फोट के पीड़ितों के लिए हजारों भूटानियों के साथ प्रार्थना का नेतृत्व किया है।

डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयान, भारत के साथ व्यापार समझौता लगभग तैयार, जल्द होंगे हस्ताक्षर

वाशिंगटन एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि भारत के साथ व्यापार समझौता लगभग तैयार है और जल्द ही उस पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। ट्रंप ने यह टिप्पणी भारत में अमेरिका के अगले राजदूत सर्जियो गोर के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान की। उन्होंने कहा, हम भारत के साथ एक नया समझौता कर रहे हैं, जो पहले से अलग होगा। इस बार दोनों देशों को बराबरी का लाभ मिलेगा। समझौते पर बात लगभग पूरी हो चुकी है और यह दोनों देशों के लिए फायदेमंद रहेगा। ट्रंप ने कहा कि उनकी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आपस में बहुत अच्छी समझ है। उन्होंने भारत को अमेरिका का बेहद महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय साझेदार बताया।

ट्रंप ने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि सर्जियो गोर भारत और अमेरिका के रिश्तों को और मजबूत करेंगे। भारत दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक का घर है, दुनिया का सबसे बड़ा देशज हमारे प्रधानमंत्री मोदी के साथ शानदार संबंध हैं और सर्जियो ने इसे और भी बेहतर बनाया है, क्योंकि वह पहले से ही प्रधानमंत्री के साथ दोस्ताना संबंध बना चुके हैं। सर्जियो गोर को उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने शपथ दिलाई। इस मौके पर विदेश मंत्री मार्को रुबियो और वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट भी मौजूद थे। ट्रंप ने भारत की तारीफ करते हुए कहा कि भारत तेज़ी से आगे बढ़ रही अर्थव्यवस्था है और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण सुरक्षा साझेदार है।

राज्य में पहली बार महिला स्वास्थ्य पर्यवेक्षकों हेतु राज्य स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन

उच्च जोखिम गर्भावस्था में सावधानी तथा मातृ एवं शिशु मृत्यु में कमी लाने में महिला स्वास्थ्य पर्यवेक्षक निभा रही हैं अहम भूमिका

रायपुर। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ द्वारा राज्य स्वास्थ्य प्रशिक्षण संस्थान (स्ट्ठ्रस्ष्ट्र) के सौजन्य से महिला स्वास्थ्य पर्यवेक्षक (एलएचवी) हेतु एक दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण के उपरांत महिला स्वास्थ्य पर्यवेक्षक उच्च जोखिम गर्भावस्था (एचआरपी) के मामलों को संभालने में पहले से अधिक दक्ष होंगी और इससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी आएगी।

राज्य में इस तरह का यह पहला प्रशिक्षण कार्यक्रम है जिसमें महिला स्वास्थ्य पर्यवेक्षकों के क्षमता संवर्धन को लेकर पहल की गई है। इस अवसर पर सचिव, स्वास्थ्य श्री अमित कटारिया, आयुक्त सह संचालक डॉ. प्रियंका शुक्ला, संचालक महामारी नियंत्रण डॉ एस के पामभोई, संयुक्त संचालक डॉ. निर्मला यादव, उप संचालक (मातृत्व स्वास्थ्य) डॉ. शैलेन्द्र अग्रवाल, उप संचालक (शिशु स्वास्थ्य) डॉ. वी. आर. भगत, यूनिसेफसे डॉ. गजेन्द्र सिंह (स्वास्थ्य विशेषज्ञ) एवं विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि यह प्रशिक्षण का प्रथम बैच था, जिसके पश्चात आगामी चरणों में 14 बैचों के माध्यम से पूरे राज्य की महिला स्वास्थ्य पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने बताया कि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में महिला स्वास्थ्य पर्यवेक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे न केवल समुदाय स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं की प्रथम पंक्ति में कार्यरत हैं, बल्कि संस्थागत स्वास्थ्य सेवाओं और समुदाय के मध्य एक सशक्त सेतु के रूप में भी अपनी भूमिका निभाती हैं। प्रशिक्षण के अंतर्गत प्रजनन, मातृ, शिशु, बाल एवं किशोर स्वास्थ्य (त्रूस्रूष्ट॥) सेवाओं पर केंद्रित विषयों जैसे – एएनसी (ट्ठह्लद्गठ्ठड्डह्लड्ड ष्टड्डह्म्द्ग), उच्च जोखिम गर्भावस्था (॥क्रक्क) की पहचान एवं प्रबंधन, पीएमएसएमए (क्करूस्रू) कार्यक्रम, प्रसव पूर्व एवं पश्चात देखभाल, संक्रमण नियंत्रण, नवजात देखभाल तथा रेफरल समन्वय प्रणाली पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया।

प्रतिभागियों को समूह चर्चा, केस स्टडी एवं व्यवहारिक अभ्यास के माध्यम से अपने अनुभव साझा करने का अवसर प्राप्त हुआ। प्रशिक्षण के दौरान नेतृत्व क्षमता, कार्यकुशलता एवं समुदाय से जुड़ाव को सुदृढ़ बनाने पर विशेष बल दिया गया।कार्यक्रम के समापन सत्र में पोस्ट-टेस्ट एवं फीडबैक प्रस्तुतिकरण आयोजित किया गया। प्रतिभागियों ने इस प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताया तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने हेतु निष्ठापूर्वक अपने दायित्वों का निर्वहन करने का संकल्प व्यक्त किया।

पति ने चाचा के साथ मिलकर की थी पत्नी की हत्या

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के ग्राम कुंदेली के पास हुए अंधे कत्ल की गुत्थी को दंतेवाड़ा पुलिस ने सुलझा लिया है। मृतिका के पति ने ही हत्या कर शव को ठिकाना लगाने का काम किया था साथ ही इस वारदात में आरोपी पति के चाचा रमेश ने मदद की। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

बता दें कि 2 अक्टूबर 2025 को ग्राम कुंदेली में सड़क किनारे जंगल में एक महिला का शव झाड़ियों के बीच निर्वस्त्र मृत हालत में मिला था। मृतका की पहचान रीना रयामी के रूप में हुई थी। मामले में थाना भांसी पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया था जिसमें यह बात सामने आई थी कि महिला की गला दबाकर हत्या की गई थी। जिसके बाद पुलिस मामले की जांच तथा हत्यारे की तलाश में जुटी हुई थी। पुलिस की टीम ने कई सीसीटीवी फुटेज एवं हजारों मोबाइल नंबर का तकनीकी विश्लेषण किया। विशेष टीम ने लगातार घटना स्थल के आसपास के कई ग्रामीणों एवं संदिग्धों को घटना के संबंध में तस्दीक किया, जिसके बाद आरोपियों को पकड़ने में सफलता मिली। प्रकरण में दंतेवाड़ा पुलिस अधीक्षक गौरव राय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उदित पुष्कर (आईपीएस) व रामकुमार बर्मन के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी कपिल चंद्रा के नेतृत्व में थाना प्रभारी भांसी प्रहलाद कुमार साहू व स्टॉफ एवं सायबर सेल टीम दंतेवाड़ा ने अज्ञात आरोपी की पतासाजी के लिए विगत लगभग एक माह से अथक प्रयास करते प्रत्येक एंगल पर जांच की। मृतिका रीना रयामी से जुड़े हुये ग्राम कुंदेली, भांसी मासापारा, बड़े कमेली, धुरली, गमावाड़ा के एक-एक ग्रामीणों से पूछताछ कर तकनीकी विश्लेषण करते हुए यह जानकारी पुख्ता होने पर कि घटना दिनांक को मृतिका रीना रयामी शाम के समय तक अपने घर ग्राम कुंदेली रयामी पारा पहुंच गई थी।

वन मंत्री श्री केदार कश्यप की अध्यक्षता में जीवनदीप समिति की बैठक सम्पन्न

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप की अध्यक्षता में आज सिविल अस्पताल भानपुरी, बस्तर की जीवनदीप समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाना और मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना था। मंत्री श्री कश्यप ने बैठक को संबोधित करते हुए और जनहितकारी बताते हुए कहा कि लिए गए निर्णय अस्पताल को और अधिक सक्षम तथा उपयोगी बनाने में मदद करेंगे।

बैठक में अस्पताल के ढांचे और आवश्यक सुविधाओं को मजबूत करने पर विस्तृत चर्चा की गई। गर्भवती महिलाओं की जांच के लिए सोनोग्राफी मशीन और कार्डियो टोपोग्राफी मशीन की खरीदी पर सहमति बनी। साथ ही लैब में उपयोग होने वाले रिएजेंट्स और एक्स-रे फिल्म की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा उनके शुल्क निर्धारण पर भी विचार किया गया, ताकि जांच सेवाएं सुचारू रूप से जारी रहें। इसी तरह अस्पताल की आधारभूत सुविधाओं के सुधार के तहत विद्युतीकरण की मरम्मत, पोस्टमार्टम कक्ष का सुधार, तथा मरीज वार्ड में बंद पड़े ए.सी. को चालू करने का निर्णय लिया गया। मरीजों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने हेतु वाटर कूलर और फिल्टर लगाने की भी स्वीकृति प्रदान की गई।बैठक में मरीजों व कर्मचारियों की सुविधा बढ़ाने के लिए वार्डों और प्रतीक्षा कक्षों में डिजिटल इनर्फोमेशन टीवी,अस्पताल की स्वच्छता हेतु इलेक्ट्रिक पोंछा मशीन, मरीजों के कपड़ों की धुलाई हेतु धोबी की व्यवस्था,महिला मरीजों के लिए सेनेटरी पैड डिस्पेंसर मशीन, प्रशासनिक कार्य हेतु आवश्यक सामग्री तथा कर्मचारियों के लिए यूनिफॉर्म, ओवरकोट और स्वेटर की व्यवस्था करने का निर्णय लिया गया।इन सभी कार्यों को पूरा करने के लिए तीन-स्तरीय वित्त व्यवस्था तय की गई। कुछ सामग्री विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी, कुछ खरीद जीवनदीप समिति के माध्यम से की जाएगी, और शेष खर्च सीएसआर मद व जनपद पंचायत मद से वहन किया जाएगा। बैठक के दौरान पोषण पुनर्वास केंद्र भानपुरी के संचालन में आ रही कठिनाइयों की जानकारी भी मंत्री को दी गई। इस पर मंत्री श्री कश्यप ने केंद्र के सुचारू संचालन हेतु आवश्यक वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

बीजापुर में हुआ ब्लॉक स्तरीय बस्तर ओलंपिक 2025 का गरिमामयी शुभारंभ

बीजापुर । विकासखंड बीजापुर में बस्तर ओलंपिक 2025 का शुभारंभ बड़े ही उत्साह और गरिमामयी वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व वनमंत्री महेश गागड़ा, जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा, उपाध्यक्ष पेरे पुलैया, जनपद अध्यक्ष सोनू पोटाम, नगर पालिका अध्यक्ष गीता सोम पुजारी, जी. वेंकट, घासीराम नाग, सीईओ जिला पंचायत नम्रता चौबे, प्रभारी जिला खेल अधिकारी नारायण प्रसाद गवेल एवं एसडीएम जागेश्वर कौशल की उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य बस्तर संभाग के युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ना, उनकी खेल एवं रचनात्मक प्रतिभा को निखारना और शासन-जनता के बीच प्रत्यक्ष संवाद स्थापित करना है। पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी बस्तर ओलंपिक का आयोजन पूरे उत्साह के साथ किया जा रहा है। इस खेल महोत्सव में एथलेटिक्स (100, 200, 400 मीटर दौड़, लम्बी कूद, ऊँची कूद, शॉटपुट, डिस्कस थ्रो, जैवलिन थ्रो, 4×100 मीटर रिले रेस), तीरंदाजी, फुटबॉल, कबड्डी, खो-खो, बैडमिंटन, कराते, वॉलीबॉल, महिला सीनियर वर्ग के लिए रस्साकशी, तथा जिला स्तर पर हॉकी और वेटलिफ्टिंग की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। प्रतियोगिताएं दो वर्गों – जूनियर (14 से 17 वर्ष, बालक-बालिका) और सीनियर (महिला-पुरुष, आयु सीमा रहित) में होंगी। विकासखंड स्तर पर चयनित खिलाड़ी जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे। बस्तर ओलंपिक 2025 के तहत विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिताएं 10 से 11 नवंबर तक आयोजित की जा रही हैं। खिलाड़ियों के ठहरने, भोजन और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं हेतु विभिन्न विभागों की ड्यूटी लगाई गई है।

ग्राम स्वराज की ओर बड़ा कदम मनेन्द्रगढ़ जनपद में जनप्रतिनिधियों को राजकीय ग्रामीण स्वराज अभियान के तहत दिया जा रहा प्रशिक्षण

एमसीबी । ग्रामीण भारत के विकास को नई ऊर्जा देने और जनप्रतिनिधियों को सशक्त नेतृत्व के रूप में तैयार करने की दिशा में मनेन्द्रगढ़ जनपद पंचायत में राजकीय ग्रामीण स्वराज अभियान के तहत विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन अमृत सदन सभागार में हो रहा है, जहाँ जनप्रतिनिधियों को शासन-प्रशासन से जुड़ी जिम्मेदारियों, जनता के प्रति जवाबदेही और विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। राजकीय ग्रामीण स्वराज अभियान का यह प्रशिक्षण कार्यक्रम ड्डह्वह्वह्वह्वह्व स्द्गह्वह्वह्व क्च्च्. स्ह्वस्. नामक एनजीओ के सहयोग से संचालित हो रहा है। इस अभियान का उद्देश्य ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर, जवाबदेह और पारदर्शी बनाना है ताकि गाँव-गाँव में विकास की गूंज सुनाई दे। प्रशिक्षण सत्र में जनप्रतिनिधियों को शासन की प्रमुख योजनाओं में प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, किसान सम्मान निधि, जन धन योजना और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है, ताकि वे इन योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुँचा सकें और ग्रामीण विकास में अपनी सक्रिय भूमिका निभा सकें। प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य प्रशिक्षक रवि दीक्षित, प्रोजेक्ट मैनेजर डोपाल, मोनिका, अभिषेक और अन्य विशेषज्ञ प्रशिक्षक हैं, जो जनप्रतिनिधियों को ग्राम स्तर पर नेतृत्व क्षमता विकसित करने और जनहित के कार्यों में पारदर्शिता लाने के तरीकों की जानकारी दे रहे हैं। प्रशिक्षकों ने बताया कि ग्रामीण विकास की असली ताकत जनप्रतिनिधियों के हाथों में है, और जब वे जागरूक एवं प्रशिक्षित होंगे, तभी शासन की योजनाएं जमीनी स्तर पर सफल होंगी। मनेन्द्रगढ़ विकासखंड सहित पूरे मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के विभिन्न जनपदों में इस अभियान के तहत क्रमवार प्रशिक्षण आयोजित किए जा रहे हैं। यही नहीं, यह कार्यक्रम अन्य जिलों में भी विस्तार पा रहा है ताकि राज्य स्तर पर एक संगठित, प्रशिक्षित और जागरूक ग्रामीण नेतृत्व तैयार हो सके। इस प्रशिक्षण के माध्यम से न केवल योजनाओं का ज्ञान बढ़ रहा है, बल्कि जनप्रतिनिधियों में अपने क्षेत्र के विकास को लेकर जिम्मेदारी और उत्तरदायित्व की भावना भी गहराई से विकसित हो रही है।

रेणू शेखावत ने 'सहकार से समृद्धि' कार्यक्रम की समीक्षा की

रायपुर। भारत सरकार के सहकारिता विभाग की संयुक्त संचालक श्रीमती रेणू शेखावत ने आज नवा रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक के सभागार में प्रदेश में संचालित ÷सहकार से समृद्धि÷ कार्यक्रम की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं श्री कुलदीप शर्मा भी उपस्थित रहे।

बैठक में सहकारिता क्षेत्र से संबंधित विभिन्न योजनाओं जैसे पैक्स कंप्यूटरीकरण,कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी), एम-पैक्स, पीएम किसान समृद्धि कार्यक्रम, भारतीय बीज सहकारी समिति, विशाल अन्न भंडारण योजना,राष्ट्रीय सहकारी निर्यात समिति, पैक्स समितियों में माइक्रो एटीएम संचालन, पीएम जन औषधि केंद्र, दुग्ध एवं मत्स्य सहकारी समितियों के संचालन और दुधारू पशु प्रदाय योजना की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक सुधार और प्रभावी कार्यान्वयन हेतु व्यावहारिक सुझाव प्रदान किए गए।

भारत सरकार के सहकारिता विभाग की संयुक्त संचालक ने किया सहकारी समितियों और केंद्रों का निरीक्षण

समीक्षा बैठक के उपरांत श्रीमती शेखावत ने दुर्ग जिले में विभिन्न सहकारी समितियों और केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने पैक्स सोसायटी के कॉमन सर्विस सेंटर, पीएम किसान कृषि केंद्र, जन औषधि केंद्र, पैक्स कंप्यूटरीकरण व्यवस्था, तथा दुग्ध और मत्स्य सहकारी समितियों का दौरा कर किसानों और हितग्राहियों से सीधे संवाद किया तथा उनकी आवश्यकताओं और अनुभवों को साझा किया।

इस अवसर पर अपर आयुक्त एवं प्रबंध संचालक श्री के.एन. कान्डे, उपायुक्त सहकारिता श्री युगल किशोर, लघु वनोपज सहकारी संस्था की सचिव श्रीमती किरण गुप्ता, एनसीडीसी, कृषि विभाग, एफसीआई, डेयरी एवं मत्स्य विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे। यह समीक्षा बैठक सहकारिता क्षेत्र को सुदृढ़ एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को अधिक सक्षम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

राज्य स्तरीय आवास मेले में दो हजार करोड़ की नई आवासीय योजनाओं का होगा शुभारंभ

राजधानी रायपुर में 23 से 25 नवम्बर तक होगा राज्य स्तरीय आवास मेला

रायपुर । छत्तीसगढ़ राज्य अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रजत जयंती वर्ष मना रहा है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा प्रदेशवासियों को सुलभ और किफायती आवास उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ. पी. चौधरी के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा राजधानी रायपुर के बी.टी.आई. ग्राउंड, शंकर नगर में 23 से 25 नवम्बर 2025 तक राज्य स्तरीय आवास मेला आयोजित किया जाएगा। इस मेले में प्रदेशभर की आवासीय और व्यावसायिक संपत्तियों की विस्तृत जानकारी एक ही मंच पर उपलब्ध होगी। साथ ही, आवासीय योजनाओं की स्पॉट बुकिंग सुविधा, बैंक ऋण सहायता तथा पंजीकरणकर्ताओं के लिए आकर्षक उपहार जैसी विशेष व्यवस्थाएँ भी की जाएँगी। इस दौरान हाउसिंग बोर्ड द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों में लगभग 2000 करोड़ रुपए की नई आवासीय योजनाओं का शुभारंभ किया जाएगा।

इन योजनाओं में लगभग 70 प्रतिशत आवासीय संपत्तियाँ समाज के कमजोर आय वर्ग के लोगों के लिए आरक्षित रहेंगी। हाल ही में सम्पन्न राज्योत्सव-2025 के दौरान गृह निर्माण मंडल ने नवा रायपुर स्थित मेला स्थल पर अपनी विभिन्न योजनाओं की प्रदर्शनी लगाई थी, जिसे नागरिकों का भरपूर प्रतिसाद मिला। हजारों आगंतुकों ने हाउसिंग बोर्ड के स्टॉल का भ्रमण कर संपत्तियों में गहरी रुचि दिखाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भी स्टॉल का अवलोकन कर हाउसिंग बोर्ड के कार्यों की सराहना की थी। आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ. पी. चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार का लक्ष्य हर परिवार को अपना पक्का घर उपलब्ध कराना है। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा आयोजित यह राज्य स्तरीय आवास मेला प्रदेशवासियों के लिए किफायती आवास उपलब्ध कराने की दिशा में एक बड़ा कदम सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प है कि वर्ष 2027 तक प्रत्येक परिवार के पास अपना पक्का छत हो। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने बताया कि राज्योत्सव में जनता से मिला उत्साहजनक प्रतिसाद इस बात का प्रमाण है कि लोगों का हाउसिंग बोर्ड की योजनाओं पर विश्वास लगातार बढ़ रहा है।

जल संसाधन विभाग ने सिंचाई विस्तार में दर्ज की बड़ी प्रगति दृ दो वर्षों में 23 योजनाओं को मिली स्वीकृति

रायपुर। अम्बिकापुर जिले में सिंचाई क्षमता में विस्तार और कृषि उत्पादन को बेहतर बनाने के लिए बीते दो सालों में उल्लेखनीय प्रयास हुए हैं। विगत दो वर्षों में अम्बिकापुर जिले को कुल 23 सिंचाई योजनाओं की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त हुई है, जिसकी लागत 81 करोड़ 48 लाख रुपये है। सिंचाई परियोजनाओं के क्रियान्वित होने से 30 गांवों की 3374 हेक्टेयर कृषि भूमि सिंचित होगी।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में 17 सिंचाई योजनाओं जिनकी लागत 59.96 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिली है। इन योजनाओं से 21 गांवों की 2350 हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी। इस अवधि में जलाशयों, नहरों, पक्के चौनलों, एनीकट, स्टॉपडेम तथा काजवे निर्माण जैसे कार्य शामिल हैं। तिरकेला, तुर्रापानी, सायर एवं कोट जलाशय योजनाओं के जीर्णोद्धार कार्यों के साथ 13 अन्य एनीकट एवं स्टॉपडेम परियोजनाएं भी स्वीकृत की गई हैं, जिनसे खरीफएवं रबी दोनों सीजन में सिंचाई क्षमता में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में 21.52 करोड़ रुपये की लागत से 06 नई योजनाओं को स्वीकृति प्राप्त हुई है। इन योजनाओं के पूरा होने से 09 गांवों की 1024 हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी। प्रमुख परियोजनाओं में घाघरिया व्यपवर्तन, कुंवरनाला स्टॉपडेम, पंडरीडांड जलाशय नहर जीर्णोद्धार, घंघरी एनीकट, जजगा गोठान एनीकट एवं डांडगांव जलाशय सुधार कार्य शामिल हैं।कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग क्रमांक-1, अम्बिकापुर ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में विभाग का लक्ष्य अधिकतम कृषि भूमि को सिंचाई के दायरे में लाकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना है। सभी स्वीकृत योजनाओं को समय-सीमा में पूर्ण करने हेतु प्रभावी रूप से कार्य किया जा रहा है।

जिला स्तरीय बस्तर ओलंपिक का शुभारंभ 12 नवंबर से

रायपुर। बस्तर क्षेत्र के युवाओं में छिपी खेल प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें नया मंच देने के उद्देश्य से जिला स्तरीय बस्तर ओलंपिक का शुभारंभ 12 नवंबर को सुबह 11 बजे से खेलो इंडिया तीरंदाजी प्रशिक्षण केन्द्र, बड़ेकनेरा रोड में होगा। यह आयोजन 12 नवंबर से 15 नवंबर तक चलेगा, जिसमें तीरंदाजी, एथलेटिक्स, कराते, वेटलिफ्टिंग, खो-खो, रस्साकस्सी, व्हॉलीबॉल, कबड्डी, बैडमिंटन और फुटबॉल जैसे खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। वरिष्ठ खेल अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्यक्रम के पहले दिन 12 नवंबर को 14 से 17 आयु के बालिका वर्ग में खेलो इंडिया सेंटर, कनेरा रोड में तीरंदाजी, न्यू स्टेडियम, कनेरा रोड, नगरपालिका कोण्डागांव में एथलेटिक्स, ऑडिटोरियम के पीछे कोण्डागांव में खो-खो, खेल परिसर बड़ेकनेरा रोड, वॉलीबॉल मैदान, कोण्डागांव में व्हालीबॉल, खेल परिसर बडेकनेरा रोड, कबड्डी मैदान, कोण्डागांव में कबड्डी, नगर पालिका बैडमिंटन कोर्ट, ऑडिटोरियम के बाजू में बैडमिंटन और पुलिस लाइन, फुटबॉल मैदान में फुटबॉल की प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। दूसरे दिन 13 नवंबर को 17 से अधिक आयु के महिला वर्ग में खेलो इंडिया सेंटर, कनेरा रोड में तीरंदाजी व रस्साकस्सी, न्यू स्टेडियम, कनेरा रोड, नगरपालिका कोण्डागांव में एथलेटिक्स, जूडो हॉल, ऑडिटोरियम के पीछे कोण्डागांव में कराते व वेटलिफ्टिंग, ऑडिटोरियम के पीछे कोण्डागांव में खो-खो, खेल परिसर बडेकनेरा रोड, वॉलीबॉल मैदान, में व्हॉलीबॉल, खेल परिसर बडेकनेरा रोड, कबड्'डी मैदान में कबड्डी, नगर पालिका बैडमिंटन कोर्ट, ऑडिटोरियम के बाजू बैडमिंटन और पुलिस लाइन, फुटबॉल मैदान में फुटबॉल की प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। इसी प्रकार तीसरे दिन 14 नवंबर को 17 से अधिक आयु के पुरुष वर्ग में खेलो इंडिया सेंटर में तीरंदाजी, न्यू स्टेडियम, कनेरा रोड, नगरपालिका में एथलेटिक्स, जूडो हॉल, ऑडिटोरियम के पीछे कराते व वेटलिफ्टिंग, ऑडिटोरियम के पीछे खो-खो, खेल परिसर बडेकनेरा रोड, वॉलीबॉल मैदान, में व्हॉलीबॉल, खेल परिसर बडेकनेरा रोड, कबड्डी मैदान में कबड्डी, नगर पालिका बैडमिंटन कोर्ट में बैडमिंटन और पुलिस लाइन, फुटबॉल मैदान में फुटबॉल का आयोजन किया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव नेशनल अर्बन कॉनक्लेव में हुए शामिल, नई दिल्ली में आयोजित कॉनक्लेव में 'क्षमता विकास'

रायपुर। देशभर से 2500 से अधिक प्रतिनिधियों ने की भागीदारी, इनमें राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों के शहरी विकास मंत्री, नीति निर्माता, शहरी योजनाकार, विशेषज्ञ, निकायों के निर्वाचित पदाधिकारी और अधिकारी शामिलउप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय नेशनल अर्बन कॉनक्लेव में शामिल हुए। नई दिल्ली के द्वारका स्थित यशोभूमि इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (द्बद्बष्ट) में आयोजित इस राष्ट्रीय कॉनक्लेव में देशभर के 2500 से अधिक प्रतिनिधियों ने भागीदारी की। विभिन्न राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के शहरी विकास मंत्रियों, नीति निर्माताओं, शहरी योजनाकारों, विशेषज्ञों, निकायों के निर्वाचित पदाधिकारियों और अधिकारियों ने बेहतर नागरिक सुविधाओं व शहरों के टिकाऊ विकास (स्ह्व ह्य ह्ल ड्ड द्ब ठ्ठ ड्ड ड्ढ द्य द्ग ष्ठद्ग1द्गद्यश्चद्बद्गठ्ठह्ल) की नीतियों पर दो दिनों तक मंथन किया।

केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में हुए राष्ट्रीय शहरी महासम्मेलन (ह्वड्डह्लद्बश्ठ्ठड्डद्य ह्वड्डठ्ठ ष्टश्ठ्ठष्द्यड्ड1द्ग) में समग्र शहरी प्रबंधन से जुड़े सात विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया गया। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कॉनक्लेव में क्षमता विकास विषय पर आयोजित सत्र की अध्यक्षता की। उन्होंने इस दौरान अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में नगरीय निकायों द्वारा दी जाने वाली विभिन्न सेवाओं एवं कार्यो का उल्लेख करते हुए निकायों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की पर्याप्त उपलब्धता तथा उनके नियमित क्षमता विकास के लिए जरूरी कदम उठाने पर जोर दिया। उन्होंने नगरीय निकायों में विभिन्न सेवाओं एवं कार्यों में संलग्न प्रथम पंक्ति से अंतिम पंक्ति तक के अधिकारियों-कर्मचारियों के समग्र क्षमता विकास की संभावनाओं पर अपने विचार साझा किए। श्री साव ने बेस्ट प्रेक्टिसेस एवं विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे नवाचारों के अवलोकन तथा कार्मिकों के लिए नियमित प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने का सुझाव दिया। उन्होंने जिला, राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्यशालाओं के आयोजन तथा क्लास-रूम सेशन्स, ऑनलाइन आदि माध्यमों से नियमित क्षमता विकास पर जोर दिया। श्री साव ने शहरी व्यवस्थाओं में सुधार एवं नवाचार पर आधारित क्षमता विकास सत्र में शहरी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने अधोसंरचना विकास के साथ क्षमता विकास के महत्व और आवश्यकता पर विस्तार से अपनी बात रखी।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कॉनक्लेव में केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल को छत्तीसगढ़ के शहरों में स्वच्छता संबंधी कार्यों पर आधारित काफी टेबल बुक भेंटकर स्वच्छता के क्षेत्र में किए जा रहे विशेष प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने भारत सरकार की अपेक्षाओं के अनुरूप नगरीय प्रबंधन के कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता भी दोहराई। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस., संचालक श्री रिमिजियुस एक्का, दुर्ग नगर निगम की महापौर श्रीमती अल्का बाघमार, जगदलपुर के महापौर श्री संजय पाण्डेय, राज्य शहरी विकास अभिकरण (स्ठ्ठ) के सीईओ श्री शशांक पाण्डेय, दुर्ग नगर निगम के आयुक्त श्री सुमीत अग्रवाल और जगदलपुर नगर निगम के आयुक्त श्री प्रवीण कुमार वर्मा भी कॉनक्लेव में शामिल हुए।कॉनक्लेव के अलग-अलग सत्रों में विभिन्न राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के शहरी विकास मंत्रियों, नीति निर्माताओं, शहरी योजनाकारों, विशेषज्ञों, निकायों के निर्वाचित पदाधिकारियों और अधिकारियों ने दो दिनों तक सर्कुलर इकोनॉमी, क्षेत्रीय योजना, क्षमता निर्माण, शहरी शासन, हाउसिंग इको-सिस्टम, शहरी आजीविका एवं गरीबी उन्मूलन तथा निर्माण एवं ध्वस्तीकरण अपशिष्ट (ष्टश्ठ्ठह्यह्लह्वष्ह्लद्बश्ठ्ठ × ष्ठद्गद्बश्यद्बह्लद्बश्ठ्ठ ड्ड्डह्यह्लद्ग) प्रबंधन जैसे विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया।

मुख्यमंत्री से मिला छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन और जनसंपर्क अधिकारी

रायपुर । छत्तीसगढ़ संवाद कार्यालय, नवा रायपुर में विभागीय अपर संचालक संजीव तिवारी के साथ हुई अभद्रता, झूमा-झटकी, गाली-गलौज और कार्यालय में तोड़फोड़ की घटना के विरोध में आज छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन और छत्तीसगढ़ जनसंपर्क अधिकारी संघ का संयुक्त प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि यह घटना केवल एक शासकीय अधिकारी पर हमला नहीं, बल्कि शासन-प्रशासन की संस्थागत गरिमा और अनुशासन पर सीधा प्रहार है।फेडरेशन के संयोजक कमल वर्मा ने कहा कि यह अत्यंत चिंताजनक है कि पत्रकारिता की आड़ में भयादोहन और ब्लैकमेलिंग की घटनाएँ लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकारों की स्वतंत्रता लोकतंत्र की आत्मा है, किंतु पत्रकारिता के नाम पर भय, भ्रम और दबाव का वातावरण बनाना न केवल वास्तविक पत्रकारिता का अपमान है, बल्कि समाज और शासन – दोनों के प्रति विश्वासघात है। उन्होंने मुख्यमंत्री से यह मांग की कि राज्य में शासकीय सेवकों की सुरक्षा हेतु एक सशक्त कानून बनाया जाए, ताकि अधिकारी और कर्मचारी भयमुक्त होकर जनहित के कार्य कर सकें तथा असामाजिक तत्वों को कठोर दंड मिल सके। कमल वर्मा ने यह भी अनुरोध किया कि सभी शासकीय कार्यालयों, विशेषकर इंद्रावती भवन में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक कड़ा किया जाए तथा सभी प्रवेश द्वार में सुरक्षा जांच के लिए आवश्यक उपकरण स्थापित किए जाएँ। उन्होंने राज्य स्तर से लेकर विकासखंड स्तर तक सभी अधिकारी और कर्मचारी बिना भय के अपने शासकीय दायित्वों का निर्वहन कर सकें, इसके लिए ठोस कदम उठाने का अनुरोध किया। छत्तीसगढ़ राजपत्रित अधिकारी संघ के प्रवक्ता एवं छत्तीसगढ़ जनसंपर्क अधिकारी संघ के अध्यक्ष बालमुकुंद तंबोली ने कहा कि शासकीय कार्यालय में घुसकर हिंसक व्यवहार, झूमा-झटकी, गाली-गलौज और घर जाकर मारने की धमकी देना किसी भी सुसंस्कृत समाज में अस्वीकार्य है। ऐसी घटनाएँ पूरे विभाग में भय और असुरक्षा का वातावरण उत्पन्न करती हैं।

पुलिस ने 499.236 किलोग्राम मादक पदार्थ जलाकर किया नष्ट

रायपुर। राजधानी रायपुर में शुक्रवार को जिले के विभिन्न थानों में दर्ज 60 एनडीपीएस एक्ट प्रकरणों में जप्त लगभग पांच सौ किलोग्राम मादक पदार्थों को विधिसम्मत तरीके से नष्ट किया गया। यह नष्टीकरण प्रक्रिया केन्द्र सरकार, गृह मंत्रालय, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के दिशा-निर्देश और पुलिस मुख्यालय रायपुर के आदेश पर गठित जिला स्तरीय ड्रग डिस्पोजल कमेटी की निगरानी में संपन्न हुई। इस कार्रवाई में कुल 499.236 किलोग्राम मादक पदार्थ, जिसमें 480.536 किलोग्राम गांजा और 18.700 किलोग्राम डोडा शामिल था, को रायपुर के सिलतरा स्थित निजी पावर प्लांट की भट्ठी/फर्नेस में जलाकर नष्ट किया गया।

ड्रग डिस्पोजल कमेटी की अगुवाई में हुई कार्रवाई नष्टीकरण की कार्यवाही की अध्यक्षता पुलिस उपमहानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह ने की। उनके साथ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर, उपायुक्त आबकारी राजेश कुमार शर्मा, निरीक्षक राजेन्द्र दीवान (थाना प्रभारी धरसीवां) तथा उनि राजेन्द्र कंवर (प्रभारी सिलतरा चौकी) उपस्थित रहे। कार्रवाई को पूरी पारदर्शिता और विधिक प्रक्रिया के तहत किया गया। मादक पदार्थों को नष्ट करने से पूर्व सभी प्रकरणों का विधिवत सत्यापन किया गया। इसके बाद पर्यावरण विभाग की अनुमति प्राप्त कर जनसामान्य की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मादक पदार्थों को नियंत्रित तापमान पर पावर प्लांट के फर्नेस में जलाकर नष्ट किया गया।

पुलिस के अनुसार, एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत जब्त किए गए मादक पदार्थों को अदालत की अनुमति और नारकोटिक्स ब्यूरो के दिशा-निर्देशों के अनुसार ही नष्ट किया गया। यह कार्रवाई जिला पुलिस और प्रशासन की संयुक्त पहल रही, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि जब्त माल का पुनः दुरुपयोग न हो। इस दौरान कमेटी सदस्यों ने पूरे नष्टीकरण प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग कराई ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की जांच या सत्यापन के लिए प्रमाण मौजूद रहें। नशे के खिलाफ पुलिस की सख्त मुहिम रायपुर पुलिस ने इस मौके पर कहा कि जिले में नशे के कारोबार पर रोक लगाने के लिए सघन अभियान लगातार जारी है। एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मामलों में आरोपियों के खिलाफसख्त कार्रवाई की जा रही है और जब्त किए गए मादक पदार्थों को नियमानुसार नष्ट किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने 1.98 लाख विद्यार्थियों के खाते में 84.66 करोड़ रुपए की शिष्यवृत्ति एवं छात्रवृति ऑनलाईन अंतरित की

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर राज्य के शैक्षणिक संस्थानों, आश्रम-छात्रावासों और तकनीकी एवं प्रोफेशनल पाठ्यक्रम में पढ़ाई करने वाले अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को शिष्यवृत्ति एवं छात्रवृत्ति का भुगतान अब उनके बैंक खाते में ऑनलाईन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने आज मंत्रालय, महानदी भवन में आयोजित कार्यक्रम में इन वर्गों के 1.98 लाख विद्यार्थियों के बैंक खातों में 84.66 करोड़ रूपए की शिष्यवृत्ति एवं छात्रवृत्ति ऑनलाईन अंतरित की।

प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने बताया कि प्री. मैट्रिक, पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति तथा शिष्यवृत्ति भुगतान के लिए नयी व्यवस्था में माह जून, सितंबर, अक्टूबर एवं दिसंबर में विद्यार्थियों को ऑनलाईन भुगतान किया जाएगा। इस पहल से छात्रों को शैक्षणिक अध्ययन के दौरान होने वाली आर्थिक समस्या से निजात मिलेगी। छात्रवृत्ति पहले विद्यार्थियों को दिसंबर एवं फरवरी-मार्च में वर्ष में एक बार छात्रवृति एवं शिष्यवृति की राशि प्रदान की जाती थी। प्रमुख सचिव बोरा ने बताया कि मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में सुशासन की दिशा में लगातार हो रहे इन प्रयासों से शासन-प्रशासन को पूर्व की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक जवाबदेही एवं पारदर्शी बनाया गया है। श्री बोरा ने बताया कि मुख्यमंत्री साय के हाथों आज आश्रम-छात्रावासों के 1 लाख 86 हजार 50 विद्यार्थियों को शिष्यवृति की द्वितीय किश्त की राशि 79 करोड़ 27 लाख रूपए एवं पो. मैट्रिक छात्रवृत्ति के 12 हजार 142 विद्यार्थियों को 5 करोड़ 38 लाख 81 हजार रूपए विद्यार्थियों के बैंक खातों में राशि अंतरित की गई है।

प्रमुख सचिव बोरा ने बताया कि विद्यार्थियों को शिष्यवृत्ति और छात्रवृत्ति ऑनलाईन भुगतान की शुरूआत मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के हाथों पहली बार 10 जून 2025 को की गई थी। राज्य में संचालित सभी प्री. मैट्रिक छात्रावास एवं आश्रमों को शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने के पूर्व ही शिष्यवृति की प्रथम किश्त राशि 77 करोड़ रूपए एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रावासों में अध्ययनरत छात्रों हेतु भोजन सहाय की प्रथम किश्त के रूप में राशि 8.93 करोड़ रूपए, इस प्रकार कुल 85 करोड़ रूपए की राशि जारी कर एक अभिनव पहल की गई थी। साथ ही इसके दूसरे चरण में 17 जून 2025 को 8370 विद्यार्थियों को छात्रवृति की राशि 6.2 करोड़ रूपए का ऑनलाइन अंतरण किया गया था।

इस अवसर पर आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, अनुसूचित जाति विकास मंत्री गुरू खुशवंत साहेब, पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, आदिम जाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक विकास विभाग के आयुक्त डॉ. सारांश मित्तर भी उपस्थित थे।

दो हजार करोड़ की नई आवासीय योजनाओं का होगा शुभारंभ

रायपुर । छत्तीसगढ़ राज्य अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रजत जयंती वर्ष मना रहा है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल की ओर से प्रदेशवासियों को सुलभ और किफायती आवास उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा राजधानी रायपुर के बीटीआई ग्राउंड शंकर नगर में 23 से 25 नवम्बर 2025 तक राज्य स्तरीय आवास मेला आयोजित किया जाएगा। इस मेले में प्रदेशभर की आवासीय और व्यावसायिक संपत्तियों की विस्तृत जानकारी एक ही मंच पर उपलब्ध होगी। साथ ही आवासीय योजनाओं की स्पॉट बुकिंग सुविधा, बैंक ऋण सहायता एवं पंजीकरणकर्ताओं के लिए आकर्षक उपहार जैसी विशेष व्यवस्थाएं भी की जाएंगी।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के प्रयासों से अमरौड़ी को मिली 41.65 लाख रूपयों की सौगात,भोरमदेव क्षेत्र के विकास को मिली नई राह

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के प्रयासों से अमरौड़ी को मिली 41.65 लाख रूपयों की सौगात

रायपुर। उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा के सतत प्रयासों से आज भोरमदेव क्षेत्र के ग्राम पंचायत भरहठी के आश्रित ग्राम अमरौड़ी को मुख्यमंत्री गौरव पथ योजना के अंतर्गत 41.65 लाख रूपयों के विकास कार्यों की सौगात प्राप्त हुई है। इस अवसर पर जिला पंचायत श्री ईश्वरी साहू, उपाध्यक्ष श्री कैलाश चंद्रवंशी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों के संग गांव में विधिवत पूजन-अर्चन एवं भूमिपूजन का कार्य किया।

इस अवसर पर जिलापंचायत अध्यक्ष श्री ईश्वरी साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री गौरव पथ योजना का उद्देश्य गांवों में आधुनिक एवं सुदृढ़ सड़क सुविधाएँ उपलब्ध कराना है, जिससे ग्रामीण अंचलों का सर्वांगीण विकास हो सके। उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में कवर्धा विधानसभा में विकास कार्यों की गति तेज़ी से बढ़ी है और जनहित की योजनाएँ धरातल पर उतर रही हैं। उन्होंने बताया कि भोरमदेव क्षेत्र ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से समृद्ध है और राज्य सरकार का लक्ष्य है कि यहां का प्रत्येक ग्राम विकास की मुख्यधारा से जुड़ सके। गौरव पथ निर्माण से ग्रामीणों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी और आर्थिक-सामाजिक गतिविधियों को भी बल मिलेगा। उपाध्यक्ष श्री कैलाश चंद्रवंशी ने कहा कि उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा के नेतृत्व में कवर्धा जिले में हर क्षेत्र में विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि एवं सिंचाई के क्षेत्र में निरंतर कार्य हो रहे हैं जिससे ग्रामीणों का जीवन स्तर ऊँचा उठ रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री गौरव पथ योजना से ग्रामीण अंचलों का कायाकल्प हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस योजना के माध्यम से ग्राम अमरौड़ी सहित आसपास के गांवों को अब पक्की सड़क सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे गांव का संपर्क मार्ग बेहतर होगा।इस दौरान श्री नीतेश अग्रवाल, श्री रामकिंकर वर्मा, उपाध्यक्ष श्री नंद श्रीवास, लोकचंद साहू, श्री मिलुराम, श्री राजेश साहू, श्री चेतन विश्वकर्मा, श्री अजय कौशिक, श्री रम्भहन साहू, श्री राजा कुंभकार, श्री खेला कुंभकार, सरपंच ग्राम पंचायत भरहठी श्री आजूराम, उपसरपंच श्री सत्तेलाल पटेल, श्री कुपलाल साहू, श्री वंता साहू एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।'गौरव पथ केवल एक सड़क नहीं, बल्कि विकास की डगर है - ग्रामवासी ' ग्रामवासियों ने बताया कि यह गौरव पथ केवल एक सड़क नहीं, बल्कि विकास की डगर है। इससे गाँव का समग्र रूप से कायाकल्प होगा। ग्रामीणों ने कहा कि उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा के नेतृत्व में क्षेत्र में बहुत महत्वपूर्ण विकास कार्य हो रहे हैं। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा का धन्यवाद ज्ञापित किया।

खतरनाक श्रेणी के पेट्रोलियम पदार्थों एवं प्राकृतिक गैस के सड़क परिवहन के संबंध में निर्देश जारी

रायपुर,

जिला पुलिस द्वारा खतरनाक श्रेणी के पेट्रोलियम पदार्थों एवं प्राकृतिक गैस के सड़क परिवहन के संबंध में मंदिर हसौद में संचालित गोदामों के जिम्मेदारों की बैठक लेकर आवश्यक निर्देश दिये गये।

बता दें कि खतरनाक श्रेणी के पेट्रोलियम, पेट्रोलियम उत्पादक पदार्थों, प्राकृतिक गैस का परिवहन करने वाले वाहनों मे विगत दिनों जयपुर एवं अन्य स्थानों पर हुए सड़क हादसों जिसमें कई लोग हताहत एवं घायल हुए है। ऐसे तेल टैंकर वाहनों में सड़क दुर्घटना होने पर जनता खतरे का बिना अनुमान लगाये पेट्रोलियम पदार्थों को संग्रहित करने के लिए कभी-कभी दौड़ पड़ते है जिसके कारण गंभीर हादसें घटित होते है। इन घटनाओं को देखते हुए जनसुरक्षा व पेट्रोलियम पदार्थों के सुरक्षित आवागमन को गंभीरता से लेकर पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड नई दिल्ली द्वारा पेट्रोलियम, पेट्रोलियम उत्पादकों एवं प्राकृतिक गैस की आपूर्ति व सड़क परिवहन के संबंध में निर्देश जारी किया गया है। निर्देश के अनुपालन कराने के लिए उमनि एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर डॉ. लाल उमेद सिंह के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ प्रशांत शुक्ला, उप पुलिस अधीक्षक सतीश कुमार ठाकुर, थाना प्रभारी यातायात अटल नगर हरिश कुमार साहू तथा मंदिर हसौद थाना प्रभारी आशीष यादव के द्वारा मंदिर हसौद क्षेत्र में संचालित हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल), इंडियन ऑयल अदाणी वेंचर लिमिटेड (आईओएवीएल), भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के प्रबंधक, आपरेशन इंचार्ज, सेफ्टी आफिसर का मंदिर हसौद थाना परिसर में बैठक लिया गया। बैठक में अधिकारियों ने निम्नानुसार निर्देश दिएः-

01.पेट्रोलियम उत्पाद पदार्थो का परिवहन करने वाले संबंधितों का प्रत्येक तिमाही में सुरक्षा जांच करवायें जिससे शर्तों का पालन सुनिश्चित हो।

02.लंबी दूरी तक पेट्रोलियम उत्पादों का सड़क मार्ग से परिवहन न किया जावे। 03.भीड़भाड़ वाले इलाकों से तेल टैंकर वाहनों को यथासंभव आवागमन न करायें ।

04.संस्था संचालक पेट्रोलियम वाहनों के सड़क परिवहन संबंधी जारी दिशा निर्देशों को सभी टैंकर चालक /परिचालकों तक जानकारी दे ।

05.सभी वाहनों में गति को फिक्स करने के लिए स्पीड गवर्नर, कैमरा एवं जीपीएस (वाहन ट्रेकिंग सिस्टम) अनिवार्य रूप से लगावें। समान प्रकृति के पदार्थो का परिवहन करने वाले वाहनों से सुरक्षित दूरी बनाकर चले।

06.वाहन चलाते समय पर्याप्त सावधानी बरतना, सड़क किनारे वाहनों को अनावश्यक खड़े न करें, रात्रि में 11.00 बजे से सुबह 06.00 बजे के मध्य इन उत्पादों का परिवहन न किया जावे।

07.प्रतिबंधित मार्गों में प्रवेश कराने के लिए सक्षम अधिकारी से अनुमति प्राप्त करने के उपरांत ही सुरक्षा उपाय के साथ प्रवेश करावें।

08.चालकों का समय-समय पर स्वास्थ्य /नेत्र जांच करावे। अनफिट पाये जाने पर वाहन चलाने न दें।

09.कोई भी वाहन चालक एक दिन में 08 घंटे एवं 01 सप्ताह में 48 घंटे से अधिक वाहन न चलाये इसका विशेष ध्यान रखें।

10.प्रत्येक चालक लगातार 05 घंटे तक वाहन चलाता है तो उसके पश्चात सड़कों पर बने ले-बाई में वाहन खड़ी कर कम से कम आधा घंटा विश्राम करें।

11.दुर्घटना होने की स्थिति में आपातकालीन सुरक्षा मानकों का पालन करें। यथासंभव लोगों को दुर्घटना स्थल के आसपास न जाने दे।

उक्त बैठक में भारतीय खाद्य निगम से प्रबंधक पुलकित महेश्वरी, इंडियन ऑयल अदाणी वेंचर लिमिटेड से आपरेशनल इंचार्ज हेमेन्द्र सिंह चौहान एवं एचआरएम इंदिरन ओयम, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड से मैनेजर कल्याण रेड्डी, कुमारी श्वेता एवं सेफ्टी आफिसर कमलेश साहू के साथ -साथ हाइवे पेट्रोलिंग की टीम उपस्थित थे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल के रायपुर स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 7 पर नए फुट ओवर ब्रिज के पास 2 नग एस्केलेटर

विश्वस्तरीय सुविधाएंः रेलवे स्टेशनों पर एस्केलेटर की सुविधा विश्वस्तरीय सेवाएं प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

रायपुर । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल के रायपुर स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 7 पर 2 नग एस्केलेटर (स्वाचालित सीढी) का उद्घाटन दयानन्द, मंडल रेल प्रबंधक रायपुर के कर कमलों द्वारा किया गया इस अवसर पर बजरंग अग्रवाल, अपर मंडल रेल प्रबंधक, शबिब अहमद मुख्य परियोजना प्रबंधक (गति शक्ति), एवं विवेक पटेल, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सा), उत्कर्ष पांडेय, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (सम.) रायपुर मंडल के समस्त शाखा अधिकारियो की गरिमामयी उपस्थिति में दिनांक 10.11.2025 को संपन्न हुआ । रेलवे स्टेशनों पर एस्केलेटर और लिफ्ट की सुविधा यात्रियों के लिए वरदान साबित हो रही है, खासकर बुजुर्गों, दिव्यांगजनों और चिकित्सकीय आवश्यकता वाले यात्रियों के लिए बहुत ही लाभप्रद है। इन सुविधाओं के कुछ लाभ निम्नलिखित हैं । एस्केलेटर यात्रियों को एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म पर जाने में आसानी प्रदान करते हैं।

समय की बचतः एस्केलेटर के उपयोग से यात्री अपना समय बचा सकते हैं और जल्दी से प्लेटफॉर्म पर पहुंच सकते हैं।- सुरक्षाः एस्केलेटर में आधुनिक सुरक्षा सुविधाएं जैसे कि इमरजेंसी स्टॉप बटन, एंटी-स्लिप स्टेप्स और हैंडरेल स्पीड मॉनिटरिंग होती हैं, जो यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करती हैं।

- विश्वस्तरीय सुविधाएंः रेलवे स्टेशनों पर एस्केलेटर की सुविधा विश्वस्तरीय सेवाएं प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

आतंकी साजिशें होगी नाकाम

देश में हो रही आतंकी साजिशों के एक के बाद एक खुलासे होने के बाद दिल्ली में लाल कीले के समीप जो ब्लास्ट हुआ है वह सोची-समझी साजिश के तहत आतंकियों ने किया है जिसकी जांच सुरक्षा एजेंसी कर रही है। मामले में कई खुलासे होंगे और आतंकियों की साजिशों पर लगाम लगे ऐसा सुरक्षा एजेंसियों का प्रयास है। भारत-पाकिस्तान हमलों के बीच भारत सरकार का बड़ा बयान सामने आया है। सूत्रों के अनुसार, मोदी सरकार ने साफ शब्दों में कहा है कि भारत ने निर्णय लिया है कि भविष्य में किसी भी आतंकवादी हमले को भारत के खिलाफयुद्ध की कार्रवाई माना जाएगा। उसी के अनुसार आतंक फैलाने वाले दुश्मन देश को युद्ध की तरह जवाब दिया जाएगा। भारत पाकिस्तान के बीच अब हवाई हमले और गोलीबारी पहले से कहीं ज्यादा तेज हो गए हैं। भारत ने पाकिस्तान के कई सैन्य ठिकानों को उड़ा दिया है।

रिश्ते और रिश्ते

- संजीव ठाकुर

रिश्ते सभी अब दूर होने लगे हैं,
लोग अपने ही मजबूर होने लगे हैं।

दुश्मनों से दोस्ती की है फरियाद
यार तमाम अब मगरूर होने लगे हैं।

ज़माने की बदल गई है फितरत,
भाई-चारे कितने बेनूर होने लगे हैं।

आज़मा तू इस सखूत ज़माने को,
चेहरों पे चेहरे जरूर होने लगे हैं।
नाते-रिश्ते सब बने हैं मायाजाल,
सिक्के ही अब हुजूर होने लगे हैं।

तमन्नाएँ न रख परवाज़ की अब,
सपने सभी चकनाचूर होने लगे हैं।

फ़कीरी ही हमारी अब हमसफर
खुदा के करम पुरनूर होने लगे हैं।

QR CODE SCAN
कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तकें पढ़िये ऑनलाईन

PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp

Modimaya_ Vaidik_Netritva

Rashtriya Ekta

DLF-Vadra-Bhrasht Tantra

Silent Assassins Jan11,1966

Accursed & Jihadi Neighbour

करुणा एवं संवेदनाओं से ही दुनिया में संतुलन संभव

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

आज का मनुष्य जितनी तीव्रता से भौतिक प्रगति कर रहा है, उतनी ही तेजी से मानवीय मूल्यों और संवेदनाओं से दूर होता जा रहा है। विज्ञान ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, परंतु उसने मनुष्य को आत्मकेंद्रित भी कर दिया है। प्रतिस्पर्धा, उपभोगवाद, स्वार्थ और सत्ता की भूख ने मनुष्य के भीतर की दयालुता को जैसे कुंद कर दिया है। ऐसे समय में जब विश्व हिंसा, आतंक, युद्ध, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और वैमनस्य के दौर से गुजर रहा है, तब ÷विश्व दयालुता दिवस÷ मनाने का महत्व और भी बढ़ जाता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि सभ्यता के विकास की असली पहचान तकनीकी उपलब्धियों से नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर की करुणा, सहानुभूति और प्रेम से होती है। दयालुता कोई कमजोरी नहीं, बल्कि जीवन की सबसे बड़ी शक्ति है। यह मनुष्य को पशुता से ऊपर उठाकर देवत्व की ओर ले जाती है। इतिहास साक्षी है कि जिन समाजों ने दया, करुणा और प्रेम को अपनाया, वहीं शांति और समृद्धि का आधार बने। बुद्ध, महावीर, यीशु और गांधी जैसे महापुरुषों ने दया को जीवन की सबसे बड़ी साधना माना। महात्मा गांधी ने कहा था, ÷अहिंसा कोई निष्क्रिय वस्तु नहीं, यह सबसे सक्रिय और जीवंत शक्ति है।÷ दयालुता उसी अहिंसा की आत्मा है, जो मनुष्य को दूसरों के सुख-दुःख से जोड़ती है।

आज जब दुनिया में युद्ध की विभीषिका मंडरा रही है, जब समाज हिंसा, कट्टरता और असहिष्णुता से आक्रांत है, तब दया और करुणा का महत्त्व केवल नैतिकता का विषय नहीं, बल्कि अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। यूक्रेन-रूस युद्ध, गाजा और इस्त्राइल का संघर्ष, आतंकवाद की विभीषिका और भीतर तक उतर चुकी नफरत की राजनीति- ये सब इस बात के संकेत हैं कि हमने दयालुता को अपने जीवन से बाहर कर दिया है। मनुष्य ने मशीनों की तरह व्यवहार करना शुरू कर दिया है। संवेदना की जगह संदेह ने ले ली है, और करुणा की जगह क्रूरता ने। ऐसे में विश्व दयालुता दिवस केवल एक प्रतीकात्मक आयोजन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है कि क्या हम अब भी मनुष्य बचे हैं या केवल उपभोग की दौड़ में शामिल यांत्रिक प्राणी बन गए हैं।

विश्व दयालुता दिवस मनाने की पहल सबसे पहले 1998 में ÷वर्ल्ड काइंडनेस मूवमेंट÷ नामक अंतरराष्ट्रीय संगठन ने की थी, जिसका उद्देश्य था-मानवता में करुणा, सहानुभूति और प्रेम के बीजों को फिर से सींचना। इस दिन का मकसद यह स्मरण कराना है कि दया कोई एक दिन की बात नहीं, बल्कि जीवन का स्थायी संस्कार होना चाहिए। दयालुता एक ऐसी भाषा है जो सभी सीमाओं, धर्मों, भाषाओं और विचारधाराओं से परे है। यह वह सूत्र है जो मनुष्यता को जोड़ता है, जो टूटे हुए रिश्तों में प्राण फूंकता है। आज की दुनिया में भौतिक विकास ने व्यक्ति को आराम तो दिया है, लेकिन आत्मिक शांति छीन ली है। हर कोई सफलता की होड़ में है, पर किसी के पास किसी के लिए समय नहीं है। परिवारों में संवाद घट गया है, समाज में सहयोग की भावना कम हुई है, और राजनीति में विरोध ने वैमनस्य का रूप ले लिया है। इंटरनेट और सोशल मीडिया के इस युग में हम जुड़ते तो बहुत हैं, पर वास्तव में अलग-थलग पड़ गए हैं। दया और करुणा की कमी के कारण मानसिक तनाव, अवसाद, आत्महत्या और असंतोष जैसी समस्याएँ बढ़ रही हैं। इस स्थिति से उबरने का एकमात्र उपाय है-दयालुता की भावना को जीवन का आधार बनाना।

दयालुता केवल दूसरों के प्रति व्यवहार नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धि का माध्यम है। जब हम किसी की सहायता करते हैं, किसी के दुःख को समझते हैं, किसी की भूल को माफ करते हैं, तब हम अपने भीतर की नकारात्मकता को भी दूर करते हैं। दयालु व्यक्ति न केवल समाज को सुंदर बनाता है, बल्कि स्वयं के भीतर भी शांति का अनुभव करता है। करुणा से मनुष्य का हृदय विस्तृत होता है, दृष्टि उदार होती है, और जीवन में संतुलन आता है। आज की जटिल दुनिया में संतुलन खोना बहुत आसान है। मनुष्य अपनी इच्छाओं, आकांक्षाओं और महत्वाकांक्षाओं में उलझकर आत्मविनाश की ओर बढ़ रहा है। पर्यावरण का संकट, सामाजिक विषमता, नैतिक पतन- ये सब उसी असंतुलन के परिणाम हैं, जहाँ दयालुता और करुणा का स्थान स्वार्थ और लोभ ने ले लिया है। यदि मनुष्य में करुणा का भाव जाग जाए, तो न युद्ध रहेगा, न आतंकवाद, न हिंसा। दुनिया में जितनी भी क्रूरताएं हुई हैं, वे दया के अभाव से हुई हैं। अतः दया केवल नैतिक मूल्य नहीं, बल्कि विश्व शांति का आधार है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था-÷जब तक एक भी जीव भूखा या दुखी है, तब तक तुम्हारी उपासना अधूरी है।÷ यह वाक्य हमें याद दिलाता है कि सच्चा धर्म केवल पूजा या प्रार्थना नहीं, बल्कि दूसरों के प्रति करुणा का भाव है। यदि दयालुता जीवन का हिस्सा बन जाए, तो धर्म अपने वास्तविक रूप में प्रकट होता है। चाहे वह जैन धर्म का ÷अहिंसा परमो धर्मः÷ का संदेश हो या बौद्ध धर्म की ÷मैत्री भावना÷, सभी ने दया को ही मानवता की सर्वोच्च साधना माना है।

वास्तव में दया का अर्थ केवल किसी पर कृपा करना नहीं है, बल्कि दूसरों के दुख को अपना समझना है। दया एक ऐसी ऊर्जा है जो न केवल संबंधों को मजबूत बनाती है, बल्कि समाज में सह-अस्तित्व की भावना को भी जन्म देती है। आज जब मनुष्य अपने अस्तित्व को लेकर संघर्ष कर रहा है, तो दया ही वह सूत्र है जो जीवन में संतुलन और अर्थ दोनों ला सकती है। हम देख रहे हैं कि दुनिया में तकनीकी शक्ति बढ़ रही है, परंतु नैतिक और भावनात्मक शक्ति घट रही है। युद्ध और हिंसा से किसी का भला नहीं होता। दया और करुणा से ही समाज टिकता है, सभ्यता बचती है, और मनुष्य अपने भीतर के अंधकार को पहचान पाता है। विश्व दयालुता दिवस इसलिए हमें यह सोचने पर विवश करता है कि क्या हमारे जीवन में दयालुता का स्थान बचा है? क्या हम अपने व्यवहार में दूसरों के सुख-दुःख के प्रति संवेदनशील हैं?

दयालुता की शुरुआत बहुत छोटे-छोटे कार्यों से होती है-किसी की सहायता करना, किसी के प्रति मधुर बोल कहना, किसी की गलती को क्षमा करना, या किसी जरूरतमंद की मदद करना। इन छोटे प्रयासों से बड़े बदलाव संभव हैं। यही छोटे कदम मिलकर समाज में बड़ी करुणा की लहर पैदा करते हैं। जैसे एक दीपक अंधकार को मिटा देता है, वैसे ही एक दयालु कर्म हजारों हृदयों में प्रकाश फैला सकता है। आज जब दुनिया को हथियारों से नहीं, दिलों से जीतने की जरूरत है, तब दयालुता को जीवन का आधार बनाना सबसे बड़ी मानव सेवा है। करुणा वह सेतु है जो टूटे हुए संबंधों को जोड़ती है, घृणा को प्रेम में बदलती है और संघर्ष को सहयोग में परिवर्तित करती है। यही संतुलित, शांत और सुंदर जीवन की दिशा है। इसलिए विश्व दयालुता दिवस कोरा आयोजनात्मक न होकर प्रयोजनात्मक होना चाहिए, यह दिवस एक प्रेरणा है कि हम फिर से मनुष्य बनें, अपने भीतर की करुणा को जगाएं और दुनिया को प्रेम व सहानुभूति से भर दें। जब हम दूसरों के प्रति दयालु बनते हैं, तो हम न केवल समाज में शांति फैलाते हैं, बल्कि अपने भीतर भी दिव्यता का अनुभव करते हैं। यही दया का वास्तविक चमत्कार है-जो जीवन को संतुलित बनाता है और दुनिया को फिर से मानव बनाता है।

यह निजी विचार है।

भारत के लोगों में देश छोड़ने की बेचैनी

अजीत द्विवेदी

पहले कुछ आंकड़ों से ही बात शुरू करते हैं। ऑर्गेनाइजेशन फॉर इकोनॉमिक कोऑपरेशन एंड डेवलपमेंट यानी ओईसीडी की ओर से सोमवार, तीन नवंबर को इंटरनेशनल माइग्रेशन आउटलुक 2025 जारी किया गया। इसके मुताबिक 2023 में सवा दो लाख भारतीयों ने ओईसीडी समूह के देशों की नागरिकता हासिल की। इस अवधि में पूरी दुनिया से करीब 28 लाख लोगों ने ओईसीडी देशों की नागरिकता ली है, जिसमें अकेले भारत से सवा दो लाख लोग हैं।

भारत के बाद दूसरे स्थान पर फिलीपींस है, जिसके एक लाख 32 हजार लोगों ने 2023 में ओईसीडी देशों की नागरिकता हासिल की है। तीसरे स्थान पर चीन है, जिसके 96 हजार लोग इन देशों में बसे। भारतीय लोगों में ओईसीडी समूह के देशों की नागरिकता लेने का यह ट्रेंड ऐसा नहीं है कि एक साल का है। यह साल दर साल बढ़ता जा रहा है। 2022 में दो लाख 15 हजार के करीब लोगों ने ओईसीडी देशों की नागरिकता ली थी और उससे पहले 2021 में दो लाख सात हजार के करीब लोग इन देशों में जाकर बसे थे।

ओईसीडी समूह में कुल 38 देश हैं, जिनमें अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा जैसे देश शामिल हैं। इसमें उत्तरी अमेरिकी देशों के अलावा ज्यादातर यूरोपीय देश हैं। इन देशों की विशेषता यह है कि ये आर्थिक रूप से विकसित तो हैं ही साथ ही इन देशों में मानव जीवन के अनुकूल सबसे बेहतर स्थितियां हैं। हवा और पानी स्वच्छ है। खाने पीने की चीजें प्रदूषित नहीं हैं। कानून व्यवस्था की स्थिति बहुत बेहतर है। स्वास्थ्य व शिक्षा की विश्व स्तरीय व्यवस्था है और मानवाधिकारों के प्रति सजग दृष्टि है। तभी दुनिया भर के लोग इन देशों में बसना चाहते हैं। यह अलग बात है कि इन देशों के नागरिकों में बाहरी लोगों के प्रति नाराजगी बढ़ने लगी है और वे खुल कर विरोध करने लगे हैं। बहरहाल, भारत की नागरिकता छोड़ने वालों में सबसे ज्यादा 78 हजार से कुछ ज्यादा लोगों ने कनाडा में नागरिकता ली है, जबकि 52 हजार से कुछ ज्यादा लोग अमेरिका के नागरिक बने हैं। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और न्यूजीलैंड का नंबर है।

इन आंकड़ों के बीच एक बड़ा दिलचस्प ट्रेंड यह दिख रहा है कि 2014 में जब केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार बनी है और यह प्रचार शुरू हुआ है कि भारत विश्वगुरू बन रहा है और दुनिया में भारत का डंका बज रहा है उसके बाद लोगों के देश छोड़ने का चलन ज्यादा बढ़ा है। इसमें अचानक बहुत तेज बढ़ोतरी हुई है। भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने से एक साल पहले 2013 में सिर्फ 15,388 भारतीयों ने ओईसीडी समूह के देशों की नागरिकता ली थी। ध्यान रहे उस समय इन देशों की नागरिकता हासिल करना बहुत आसान था। इन देशों में नाममात्र के लिए भी भारत विरोध की भावना नहीं थी। इन देशों के नागरिक भारतीय लोगों का खुले दिल से स्वागत करते थे। फिर भी भारत की नागरिकता छोड़ कर इन देशों में जाने वालों की संख्या बहुत सीमित थी। अब इन देशों में खास कर शीर्ष चार देशों, कनाडा, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन में भारत विरोधी भावनाएं बहुत बढ़ गई हैं। इन देशों के कई शहरों में भारतीय नागरिकों के ऊपर हमले हुए हैं और देश छोड़ कर जाने को कहा गया है। आए दिन भारत के लोग घृणा और हिंसा का शिकार हो रहे हैं। इतना ही नहीं इन देशों ने नागरिकता के नियम भी सख्त कर दिए हैं। फिर भी भारत छोड़ कर इन देशों

की नागरिकता लेने की होड़ मची है।

दिलचस्प बात यह है कि भारत से लोग किसी मानवीय संकट की वजह से इन देशों में नहीं जा रहे हैं। दुनिया के कई देशों खास कर मुस्लिम देशों से शरणार्थी मानवीय संकट के कारण इन देशों में जा रहे हैं। लेकिन भारत से जाने का ट्रेंड आउट ऑफ च्वाइस है। यानी लोग अपनी पसंद से इन देशों में जा रहे हैं। नागरिकता हासिल करने से पहले बड़ी संख्या में भारतीय लोग इन देशों में कामकाज के सिलसिले में जा रहे हैं। 2023 में करीब छह लाख भारतीय इन देशों में पेशेवर कारणों से गए। यह उससे पहले यानी 2022 के मुकाबले आठ फीसदी ज्यादा था। अगले दो साल यानी 2024 और 2025 के आंकड़े बाद में आएंगे। लेकिन जो ट्रेंड है उसके कमजोर होने के संकेत नहीं हैं, बल्कि तमाम विरोध और नफरत के बावजूद भारत के नागरिकों के इन देशों में जाने का सिलसिला तेज हुआ है।

सोचें, यह संख्या कानूनी रूप से इन देशों में जाकर नागरिकता लेने वालों की है या कानूनी रूप से वैध वीजा के साथ इन देशों में जाने वालों की है। इनके अलावा हजारों की संख्या में लोग हर साल अवैध रूप से इन देशों में घुसने का प्रयास करते हैं। यह भी हकीकत है कि भारत के लोग इन देशों में जाकर वहां की बुनियादी व्यवस्था में सकारात्मक योगदान दे रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक ओईसीडी समूह के देशों में भारतीय डॉक्टर और नर्स सबसे बड़ी संख्या में हैं। ब्रिटेन के कुल विदेशी डॉक्टरों में भारत के डॉक्टरों का हिस्सा 23 फीसदी है। इसी तरह अमेरिका में यह हिस्सा आठ फीसदी है।

अब सवाल है कि भारत में ऐसा क्या बदल गया, जिसकी वजह से इतनी बड़ी संख्या में लोग दूसरे विकसित, सभ्य और लोकतांत्रिक देशों में बस रहे हैं या बसने के लिए परेशान हैं? यह बात तो समझ में आती है कि इन देशों में हालात बहुत बेहतर हैं। पिछले दिनों एक जानकार ने बताया कि दुबई जाकर सेटल होने के पीछे एकमात्र कारण सुरक्षा की भावना थी। भारत में कोई भी व्यक्ति अपनी और अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर आश्वस्त नहीं हो सकता है। लेकिन दुबई में हर छोटे, बड़े अपराध से सुरक्षा है। सुरक्षा की यह भावना लोगों को ओईसीडी देशों में जाकर बसने के लिए निर्देशित करती है। इसके अलावा बेहतर अवसर की उपलब्धता, बच्चों के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधा और बेहतर जीवन स्तर भी लोगों को निर्देशित करने वाली शक्ति है। लेकिन यह समझ में नहीं आता है कि भारत छोड़ने के लिए क्या चीज प्रेरित कर रही है? दूसरा सवाल यह है कि लोगों की चिंता अभी की है या भविष्य की चिंता में वे देश छोड़ रहे हैं?

ऐसा लग रहा है कि तात्कालिक कारणों से ज्यादा भविष्य की चिंता में लोग भारत छोड़ने को प्रेरित हो रहे हैं। सरकार की ओर से 2047 तक भारत को विकसित बना देने के वादे पर कम से कम उस वर्ग के लोगों में भरोसा नहीं है, जो पेशेवर योग्यता के दम से दुनिया के किसी देश में जाकर काम हासिल करने और बसने में सक्षम हैं या आर्थिक रूप से इतने सक्षम हैं किसी भी देश में जाकर बस सकते हैं। इसका अर्थ है कि देश की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्थिरता को लेकर उनके मन में संदेह है। सरकार के विकास के दावों को लेकर भी उनके मन में भरोसा नहीं है। यही कारण है कि अर्थ और ज्ञान से संपन्न लोग देश छोड़ने की बेचैनी में हैं।

यह निजी विचार है।

ज्ञान के वृहद् स्वरुप राष्ट्र का वैश्विक स्वरुप

(राष्ट्र की उन्नति में शिक्षा,ज्ञान की भूमिका)

यह सर्वविदित है कि इतिहास का पन्ना पलटें तो हर सभ्यता ने अपने कई कई रूप बदले हैंद्य संस्कृति ने नए नए नए आयाम का सृजन किया हैद्य वैसे भी जीवन परिवर्तन का पर्याय है एवं विकास का स्वरूप हैद्य यह सर्वकालीन सत्य है कि शिक्षा एवं ज्ञान का महत्व हर संस्कृति, सभ्यता और मानवीय समुदाय के जीवन में एक प्रकाश पुंज की तरह उन्हें विकास की दिशा दिखाते हुए आया हैद्य जिस देश की भाषा जितनी समृद्ध होगी उस देश की सभ्यता संस्कृति और ज्ञान उत्तम शिखर पर होगा और विकास की नई नई धाराएं बहेगीद्य मानवीय विकास के साथ मनुष्य को अधिक परिपक्व को समझदार तथा समृद्ध बनाने में शिक्षा,भाषा, ज्ञान और साहित्य का सर्वाधिक महत्व रहा हैद्य शिक्षा चाहे आपके परिवार से प्राप्त हुई हो, स्कूल कॉलेज अथवा किसी शिक्षण संस्थान से प्राप्त हुई हो या भारतीय संस्कृति के वैदिक शास्त्रों से प्राप्त हुई हो, शिक्षा का मनुष्य के व्यक्तित्व के निर्माण में बड़ी अहम भूमिका होती हैद्य शिक्षा भी समाज संस्कृति एवं सभ्यताओं के साथ परिवर्तनशील तथा प्रगतिशील हैद्य

शिक्षा, ज्ञान तथा संस्कृति और कला साहित्य को देश और विदेश की सीमाओं में बांधा नहीं जा सकता है। यह असीमित भंडार है एवं इसमें आकाशीय ऊंचाइयां भी शामिल रहती हैंद्य शिक्षा और ज्ञान न तो गहराइयां न ही नापी नजा सकती है, और ना ही इसकी ऊंचाई को देखा जा सकता है। पूर्वी सभ्यता जहां अध्यात्म, वेद ,पुराणों पर अवलंबित है, वहीं पश्चिमी सभ्यता ज्ञान विज्ञान नए नए अविष्कार और आकाश की अनछुई कई बातों को उजागर करने वाली है। ऐसी शिक्षा तथा ज्ञान के कारण मानव चंद्रमा पर पहुंच कर एक नई गाथा लिख पाया हैद्य वस्तुतः पूर्व तथा पश्चिम ज्ञान विज्ञान तथा शिक्षा के मामले में एकाकार हो चुका है कोई भी भेदभाव या विभाजन रेखा नहीं खींची जा सकती हैद्य पूरी सभ्यता ने जहां पाश्चात्य दर्शन से नए नए अविष्कारों हवाई जहाज, इंजन, ग्रामोफोन, रेडियो एवं नई नई टेक्नोलॉजी को अपनाया है वहीं पश्चिमी दर्शन ने भारती ज्ञान विज्ञान संस्कार आयुर्वेद योग धर्म दर्शन को अपना कर अपनी जीवनशैली में शांति तथा सौभाग्य स्थापित किया हैद्य यह सब शिक्षा भाषा एवं ज्ञान के बदौलत पूर्व और पश्चिम का मेल संभव हो पाया हैद्य शिक्षा और भाषा सदैव ही अज्ञानता के तमस में एक प्रकाश पुंज की तरह देदीप्यमान होता रहा है, नवजीवन की विकास धारा में सदैव महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आया हैद्य हमारे कई धर्मों में जिनमें जैन ,बौद्ध दर्शन, नव्य वेदांत तथा भारतीय संस्कृति के नवीन चिंतन के सामने आने से नवयुग की कल्पना को साकार किया है। पश्चिम के कई विद्वान और चिंतक जिनमें प्लूटो, अरस्तु, सुकरात, कार्ल मार्क्स, लेनिन ने अनेक विकास के सिद्धांतों को प्रतिपादित किया है। जिसका पूरे विश्व ने खुले दिल से स्वागत किया एवं विकास की नई नई की इबारत लिखी हैद्य दूसरी ओर भारत की संस्कृति, सभ्यता और समाज में सदैव आवश्यक सुधार तथा नई नई बुद्धिमता पूर्ण युक्तियों को अपने में आत्मसात करने की एक अलग क्षमता रही है, और विकास का मूल मंत्र भी परिवर्तनशील जीवनशैली ही है द्य राजनीति तो सदैव परिवर्तन पर अवलंबित रहती है। स्वतंत्रता के पहले तथा बाद में राजनीतिक घटनाक्रम जिस नव परिवर्तन युग की तरफ अग्रसर हुए हैं वह अत्यंत उल्लेखनीय हैद्य भारतीय सभ्यता समाज और संस्कृति जितनी जटिल तथा गूढ है उसको जितना समझा जाए, उसका जितना अध्ययन किया जाए तो उससे नवीन बातें समझ में आती है, और उसके नए नए अर्थ हमारे सामने आते हैं, जिसका बहु आयामी उपयोग हम अपनी जीवनशैली में परिवर्तन करने के लिए सदैव कर सकते हैं। स्वतंत्रता के बाद तो भारत देश ने ज्ञान भाषा तथा संस्कृति में अनेक परिवर्तन किए गांधीजी, जवाहरलाल नेहरू, बाल गंगाधर तिलक, सुभाष चंद्र बोस आदि ने अपनी किताबों में नव परिवर्तन के नए-नए आयामों तथा जीवन शैली के सत्य के साथ प्रयोग को एक नया आयाम दिया है और भारत देश को नए स्वरूप में विश्व में पहचान दिलाई है। पाश्चात्य ज्ञान से हमें अपने आडंबर एवं अंधविश्वास तथा शिक्षा पर विजय प्राप्त करने में काफी मदद प्राप्त हुई है। भारतीय संस्कृति की कई भ्रांतियों को भी हमने ज्ञान तथा भाषा के नवीन प्रयोगो से समाज से दूर किया है।

दिन प्रतिदिन जीवन की कार्यशैली में हम यह महसूस करते हैं कि शिक्षा भाषा तथा ज्ञान हमें यह महसूस कर आते हैं कि हम अभी तक कितने पीछे हैं एवं हमें कितने ज्ञान की और आवश्यकता है। हालांकि ज्ञान का कोई और झोर नहीं होता, ज्ञान तथा भाषा एक समृद्ध भंडार है, उसमें आप जितना सीख सकते हैं ज्ञान ले सकते हैं वह अत्यंत लघु होता है। तो हमेशा हमें यह प्रयास करना चाहिए कि हम पल प्रतिपल कुछ ना कुछ हर व्यक्ति, हर समाज, हर सभ्यता से सीखने का प्रयास करें ,क्योंकि ज्ञान भाषा एवं संस्कृति हमें सदैव समृद्ध विकासशील एवं परिवर्तनशील बनाती है और परिवर्तनशील जीवन ही एक नई ऊर्जा, आशा और विकास को जन्म देती है। **संजीव ठाकुर, वरिष्ठ पत्रकार,**

देश ने 1.51 लाख करोड़ रुपये का रक्षा उत्पादन किया, जिसमें डीपीएसयू का योगदान 71.6 प्रतिशत रहा

रक्षा निर्यात 6,695 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जिससे भारत की स्वदेशी प्रणालियों में वैश्विक विश्वास को बल मिला

पीआईबी

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 10 नवंबर, 2025 को नवनिर्मित डीपीएसयू भवन, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, नौरोजी नगर, नई दिल्ली में रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (डीपीएसयू) की एक व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में चार डीपीएसयू - म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड (एमआईएल), आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड (एवीएनएल), इंडिया ऑप्टेल लिमिटेड (आईओएल) और हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड (एचएसएल) को मिनीरत्न (श्रेणी-I) का दर्जा दिए जाने पर सम्मानित किया गया।

श्री राजनाथ सिंह ने सभा को संबोधित करते हुए देश के रक्षा विनिर्माण इको-सिस्टम को मज़बूत करने और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में डीपीएसयू के निरंतर योगदान की सराहना की। उन्होंने संगठनों को उनके निरंतर समर्पण और उत्कृष्टता के लिए बधाई देते हुए कहा कि हमारे सभी 16 डीपीएसयू देश की आत्मनिर्भरता के मज़बूत स्तंभ के रूप में कार्य कर रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों में उनका उत्कृष्ट प्रदर्शन हमारे स्वदेशी प्लेटफार्मों की विश्वसनीयता और क्षमता का प्रमाण है।

श्री राजनाथ सिंह ने मिनीरत्न का दर्जा प्राप्त करने के लिए एचएसएल, एवीएनएल, आईओएल और एमआईएल की सराहना की। उन्होंने इसे रक्षा क्षेत्र में उनकी बढ़ती दक्षता, स्वायत्तता और योगदान का प्रतिबिंब बताया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 में आयुध निर्माणी बोर्ड के सात नए डीपीएसयू में परिवर्तन से अधिक कार्यात्मक स्वतंत्रता, नवाचार और प्रतिस्पर्धात्मकता का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इन चार डीपीएसयू को दिया गया नया मिनीरत्न का दर्जा उन्हें क्षमता विस्तार, आधुनिकीकरण और सार्वजनिक एवं निजी दोनों क्षेत्रों के भागीदारों के साथ संयुक्त उद्यम और विलय सहित नए उपक्रमों और सहयोगों की खोज करने के लिए सशक्त बनाएगा।

श्री राजनाथ सिंह ने इस क्षेत्र के उल्लेखनीय प्रदर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्ष 2024-25 में, भारत ने 1.51 लाख करोड़ रुपये का रक्षा उत्पादन हासिल किया, जिसमें डीपीएसयू का योगदान कुल 71.6 प्रतिशत रहा। रक्षा निर्यात 6,695 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो भारत की स्वदेशी प्रणालियों में वैश्विक विश्वास को दर्शाता है। इससे यह स्पष्ट है कि 'मेड इन इंडिया' रक्षा उत्पाद वैश्विक सम्मान प्राप्त कर रहे हैं।

रक्षा मंत्री ने इस गति को बनाए रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए सभी डीपीएसयू से महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के तीव्र स्वदेशीकरण, समग्र अनुसंधान एवं विकास, उत्पाद गुणवत्ता संवर्धन, समय पर डिलीवरी और निर्यात बढ़ाने के लिए एक रणनीतिक दृष्टिकोण अपनाने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने डीपीएसयू को निर्देश दिया कि वे मापनीय लक्ष्यों के साथ स्पष्ट स्वदेशीकरण और अनुसंधान एवं विकास रोडमैप तैयार करें और अगली समीक्षा बैठक में प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से, मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि जहाँ भी विशेष हस्तक्षेप या सहायता की आवश्यकता होगी, वह तुरंत प्रदान की जाएगी। इस आयोजन के एक भाग के रूप में, डीपीएसयू के बीच तीन प्रमुख समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया गया, जो सहयोग और आत्मनिर्भरता की भावना को दर्शाता है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) ने यंत्र इंडिया लिमिटेड (वाईआईएल) के आधुनिकीकरण प्रयासों का समर्थन करने और 10,000 टन फोर्जिंग प्रेस सुविधा स्थापित करने के लिए उसके साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जो रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्रों में उपयोग किए जाने वाले एल्यूमीनियम मिश्र धातुओं के लिए आयात निर्भरता को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एचएएल ने वाईआईएल को 435 करोड़ रुपये की ब्याज-मुक्त अग्रिम राशि देने की प्रतिबद्धता जताई है, जबकि बीडीएल दस वर्षों में 3,000 मीट्रिक टन तक का निरंतर कार्यभार प्रदान करेगा। राष्ट्रीय महत्व की रक्षा परियोजनाओं के लिए महत्वपूर्ण कच्चे माल की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए मिधानी में एक मेटल बैंक के निर्माण के लिए तीसरे समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

रक्षा मंत्री ने एचएएल अनुसंधान एवं विकास मैनुअल सहित अनुसंधान एवं विकास पहलों की एक श्रृंखला का भी अनावरण किया, जिसका उद्देश्य डिजिटलीकरण, बौद्धिक संपदा सृजन और भारतीय शिक्षा क्षेत्र के साथ सहयोग के माध्यम से अनुसंधान एवं विकास इको-सिस्टम को मज़बूत करना है। डीपीएसयू का अनुसंधान एवं विकास रोडमैप वर्तमान पहलों और भविष्य की रणनीतियों को एकीकृत करता है, जो लाइसेंस प्राप्त उत्पादन से स्वदेशी डिज़ाइन और विकास की ओर बदलाव का प्रतीक है, जो रक्षा क्षेत्र में तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

सतत रक्षा विनिर्माण की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में, श्री राजनाथ सिंह ने - स्वयं (एसडब्ल्यूएवाईएएम) - सतत और हरित रक्षा निर्माण - का शुभारंभ किया।

एचएनएलयू में पी.एच.डी. कार्यक्रम 2025-26 के लिए प्रवेश प्रक्रिया आरंभ

रायपुर, हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एचएनएलयू), रायपुर पी.एच.डी. कार्यक्रम 2025-26 में प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित करता है। विश्वविद्यालय दो शोध धाराओं में प्रवेश प्रदान करता है – पी.एच.डी. इन लॉ (Ph.D. in Law) तथा पी.एच.डी. इन लॉ एंड इंटर-डिसिप्लिनरी स्टडीज़ (Ph.D. in Law and Inter-disciplinary Studies)।

यह कार्यक्रम संवैधानिक विधि (Constitutional Law), अंतरराष्ट्रीय विधि (International Law), मानवाधिकार (Human Rights), विधि एवं प्रौद्योगिकी (Law & Technology),बौद्धिक संपदा अधिकार (Intellectual Property), पर्यावरणीय विधि (Environmental Law), कॉर्पोरेट गवर्नेंस (Corporate Governance), लोक स्वास्थ्य विधि (Public Health Law), गोपनीयता एवं डेटा संरक्षण (Privacy & Data Protection) , तथा आदिवासी एवं जनजातीय विधि एवं नीतियों (Tribal &Indigenous Law and Policy) जैसे विविध क्षेत्रों में नवोन्मेषी एवं उच्च स्तरीय शोध को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रारंभ किया गया है।

प्रवेश प्रक्रिया में ऑल-इंडिया लिखित परीक्षा तथा उसके बाद शोध प्रस्ताव की प्रस्तुति

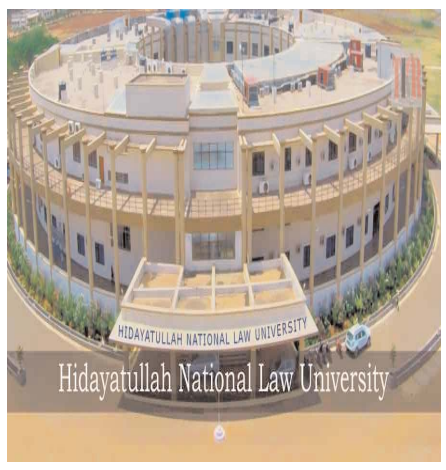

(Presentation of Research Proposal) शामिल है। यूजीसी-नेट (UGC-NET), या एसएलईटी (SLET) उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को लिखित परीक्षा से मुक्त रखा गया है। **महत्वपूर्ण तिथियाँ:** आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि: 30 नवम्बर 2025 पात्र अभ्यर्थियों की अधिसूचना: 3 दिसम्बर 2025 ऑल-इंडिया लिखित परीक्षा (एचएनएलयू परिसर में): 21 दिसम्बर 2025।

छठवें राष्ट्रीय जल पुरस्कारों के विजेताओं की घोषणा की गई

पीआईबीए

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सीआर पाटिल ने आज नई दिल्ली स्थित श्रम शक्ति भवन में छठवें राष्ट्रीय जल पुरस्कारों के विजेताओं की सूची की घोषणा की। जल शक्ति मंत्रालय के अंतर्गत जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग (डीओडब्ल्यूआर, आरडी एंड जीआर) ने वर्ष 2024 के लिए छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कारों के लिए संयुक्त विजेताओं सहित 46 विजेताओं की घोषणा की। ये पुरस्कार 10 श्रेणियों में दिए जाएंगे: सर्वश्रेष्ठ राज्य, सर्वश्रेष्ठ ज़िला, सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायत, सर्वश्रेष्ठ शहरी स्थानीय निकाय, सर्वश्रेष्ठ विद्यालय या महाविद्यालय, सर्वश्रेष्ठ उद्योग, सर्वश्रेष्ठ जल उपयोगकर्ता संघ, सर्वश्रेष्ठ संस्थान (विद्यालय या महाविद्यालय के अलावा), सर्वश्रेष्ठ नागरिक समाज और जल क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति। विजेताओं की सूची संलग्न है।

सर्वश्रेष्ठ राज्य की श्रेणी में प्रथम स्थान महाराष्ट्र को, गुजरात को दूसरा और हरियाणा को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। प्रत्येक पुरस्कार विजेता को एक प्रशस्ति पत्र और एक ट्रॉफी के साथ-साथ कुछ

श्रेणियों में नकद पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग ने घोषणा की है कि छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार, 2024 के लिए पुरस्कार वितरण समारोह 18 नवंबर, 2025 को सुबह 11:30 बजे नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन के प्लेनरी हॉल में आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगी। राष्ट्रीय जल पुरस्कारों की घोषणा में कैबिनेट मंत्री के साथ जल शक्ति राज्य मंत्री श्री राज भूषण चौधरी, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग (डीओडब्ल्यूआर, आरडी एंड जीआर) के सचिव श्री वी.एल. कांता राव तथा पेयजल और स्वच्छता विभाग के सचिव श्री अशोक के.के. मीणा और जल शक्ति मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए।

जल शक्ति मंत्रालय एक केंद्रीय मंत्रालय है, जिसको राष्ट्रीय संपत्ति के रूप में जल के विकास, संरक्षण और कुशल प्रबंधन के लिए नीतिगत ढांचे स्थापित करने और कार्यक्रमों को लागू करने की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में जल शक्ति मंत्रालय राष्ट्रीय स्तर पर जल प्रबंधन और जल संरक्षण के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक व्यापक अभियान चला रहा है। इस दृष्टिकोण से और लोगों में पानी के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने और लोगों को सर्वोत्तम जल उपयोग प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रेरित करने में मदद करने के लिए जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग द्वारा 2018 में प्रथम राष्ट्रीय जल पुरस्कार शुरू किए गए थे। दूसरे, तीसरे, चौथे और पांचवें राष्ट्रीय जल पुरस्कार क्रमशः वर्ष 2019, 2020, 2022 और 2023 के लिए दिए गए। कोविड महामारी के कारण वर्ष 2021 में ये पुरस्कार नहीं प्रदान किए गए। वर्ष 2024 के लिए छठा राष्ट्रीय जल पुरस्कार 23 अक्टूबर 2024 को गृह मंत्रालय (एमएचए) के राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर लॉन्च किया गया, जिसके लिए कुल 751 आवेदन प्राप्त हुए थे। एक निर्णायक समिति द्वारा आवेदनों की जांच और मूल्यांकन किया गया। शॉर्ट लिस्ट किए गए आवेदनों का जमीनी स्तर पर सत्यापन केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) और केंद्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) द्वारा किया गया। जमीनी स्तर पर सत्यापित की गई जांच रिपोर्टों के आधार पर संयुक्त विजेताओं सहित कुल 46 विजेताओं को वर्ष 2024 के लिए छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार हेतु 10 विभिन्न श्रेणियों में चुना गया है।

एनसीआर के राज्यों के अधिकारियों से वायु प्रदूषण के प्रबंधन पर ठोस कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने का अनुरोध किया

पीआईबी

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने आज दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण पर उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए सभी संबंधित राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों के अधिकारियों से अपने-अपने क्षेत्रों में किए गए वायु प्रदूषण के प्रबंधन प्रयासों पर ठोस कार्रवाई की रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण की रोकथाम और उस पर नियंत्रण के लिए चल रहे उपायों का आकलन करने के लिए यह चौथी ऐसी समीक्षा बैठक थी। बैठक के दौरान दिल्ली सरकार के पर्यावरण, वन और वन्यजीव मंत्री सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा भी उपस्थित थे।

श्री यादव ने वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए चल रहे प्रयासों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों से फसल अवशेष प्रबंधन के लिए ज़िलावार योजना तैयार करने और पराली जलाने के मामलों की वर्ष भर निगरानी करने का अनुरोध किया। उन्होंने ज़िलाधिकारियों से फसल अवशेष प्रबंधन (सीआरएम) मशीनों को चलाने के लिए किसानों में क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण सुनिश्चित करने के साथ-साथ उनकी व्यापक पहुंच सुनिश्चित करने को भी कहा।

इसके अतिरिक्त, श्री यादव ने यह सुनिश्चित करने और निरंतर निगरानी बनाए रखने पर बल दिया कि नगरपालिका ठोस अपशिष्ट (एमएसडब्ल्यू) को खुले में जलाने के मामले बिल्कुल बर्दाश्त न किये जाएं। उन्होंने एनसीआर शहरों के नगरपालिका अधिकारियों से पुराने अपशिष्ट के प्रबंधन में खामियों को दूर करने और तेजी से इसके निपटान को सुनिश्चित करने के लिए सख्त समय-सीमा तैयार करने का अनुरोध किया। श्री यादव ने अधिकारियों को अलग-थलग न रहकर एमएसडब्ल्यू प्रबंधन के सर्वोत्तम तौर-तरीकों को आपस में साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

मंत्री महोदय ने कहा कि दिल्ली एनसीआर में अत्यधिक प्रदूषण के लिए जिम्मेदार लाल श्रेणी के उद्योगों में ऑनलाइन सतत उत्सर्जन निगरानी प्रणाली (ओसीईएमएस) और वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों (एपीसीडी) की स्थापना को मिशन मोड में शुरू किया जाना चाहिए। श्री यादव ने सड़कों पर धूल कम करने के लिए एनसीआर के चिन्हित शहरी/औद्योगिक क्षेत्रों के लिए सड़क पुनर्विकास योजना की रूपरेखा की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से सड़क निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और उन्हें समय पर पूरा किये जाने की प्रक्रिया सुनिश्चित करने को कहा। श्री यादव ने निर्माण और तोड़फोड़ (सीएंडडी) से उत्पन्न अपशिष्ट को हटाने और उनके प्रसंस्करण में आने वाली खामियों को दूर करने पर बल दिया और सरकारी अधिकारियों को निजी क्षेत्र के साथ मिलकर इस दिशा में आगे आने के लिए प्रोत्साहित किया।

इसके अतिरिक्त, मंत्री महोदय ने विभिन्न अधिकारियों को सड़कों के किनारे हरियाली बढ़ाने से संबंधित कार्यों को मिशन मोड पर पूरा करने के लिए भी प्रोत्साहित किया ताकि कम से कम धूल उत्पन्न हो। उन्होंने सुझाव दिया कि एनसीआर के विभिन्न नगर निगम संबंधित वन विभागों के साथ तालमेल बिठा करके नर्सरी में पौधे उगाना शुरू करें जिन्हें बाद में बंजर वन भूमि पर बड़े पैमाने पर लगाया जा सकता है ताकि क्षेत्र में हरित आवरण को बढ़ावा दिया जा सके। श्री यादव ने दिल्ली यातायात पुलिस से चिन्हित यातायात भीड़भाड़ वाले स्थानों के लिए यातायात प्रबंधन योजनाएं तैयार करने और राष्ट्रीय राजधानी में इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) के कार्यान्वयन में तेजी लाने का भी अनुरोध किया, ताकि ट्रैफिक जाम के कारण वाहनों से होने वाले होने वाले प्रदूषण को कम किया जा सके।

राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण ने जैव बौद्धिक संपदा संरक्षकों के लिए पहली बार 43.22 लाख रुपये के पेटेंट लाभ साझा किये

पीआईबी

राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (एनबीए) ने एक विशिष्ट पहल के तहत पेटेंट-संबंधी पहुंच और लाभ साझाकरण (एबीएस) निधि की 43.22 लाख रुपये की राशि जारी की है। यह राशि बौद्धिक संपदा अधिकार (इंटेलेक्चुअल प्रोपर्टी राइट - आईपीआर) से प्राप्त हुई है, जिसमें पेटेंट प्राप्त करने और नवाचार के व्यावसायीकरण के लिए भारतीय जैविक संसाधनों का उपयोग किया गया है। यह सुनिश्चित करता है कि जब किसी नवाचार के लिए जैविक संसाधनों और उनसे जुड़े पारंपरिक ज्ञान का उपयोग किया जाता है और उस नवाचार का पेटेंट कराया जाता है, तो उससे होने वाले लाभों को उन मूल प्रदाताओं जैसे स्थानीय समुदाय, ज्ञान वाहक और संरक्षक के साथ निष्पक्ष और समान रूप से साझा किया जाए, जिन्होंने उन संसाधनों को संरक्षित किया है और इसे पीढ़ियों से सहेजा है। एबीएस राशि, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, पंजाब, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल सहित सोलह राज्य जैव विविधता बोर्डों को वितरित की गई है, ताकि संबंधित लाभ दावेदारों को यह राशि जारी की जा सके।

प्रमुख एबीएस प्राप्तकर्ताओं में शामिल राज्य निम्नलिखित हैं: आंध्र प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड [20,66,553 रुपये] तमिलनाडु राज्य जैव विविधता बोर्ड [16,79,482 रुपये] ओडिशा राज्य जैव विविधता बोर्ड [2,09,965 रुपये] उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड [91,500 रुपये] मध्य प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड [79,547 रुपये] जैव विविधता प्रबंधन समितियों (बीएमसी) को हस्तांतरित होने के बाद, पेटेंट-संबंधी पहुंच और लाभ साझाकरण निधि - जैव विविधता संरक्षण, सतत संसाधन प्रबंधन और समुदाय-आधारित आजीविका सुदृढ़ करने में सहायक होगा। इसमें जन जैव विविधता रजिस्टर (पीबीआर) स्थापित करने और उसका अद्यतनीकरण, पारंपरिक ज्ञान को दस्तावेजी रूप से संग्रहित करने और अन्य स्थानीय संरक्षण पहल जैसी गतिविधियां शामिल हो सकती हैं। यह उपलब्धि देश भर में जमीनी स्तर पर जैव विविधता परंपरा सुदृढ़ करने के साथ ही आनुवंशिक संसाधनों के उपयोग से उत्पन्न लाभों का उचित और न्यायसंगत बंटवारे के लिए जापान के नागोया में वर्ष 2010 में अपनाये और वर्ष 2014 से लागू अंतर्राष्ट्रीय समझौते नागोया प्रोटोकॉल के तहत निष्पक्ष और न्यायसंगत लाभ साझाकरण की भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

पर्यटक वाराणसी में गंगा नदी में नाव की सवारी का आनंद लेते हुए।

रायपुर में दादी-जी का दो दिवसीय जन्मोत्सव कार्यक्रम

लोकशक्ति

प्रति-वर्षानुसार इस वर्ष भी रानी सती मंदिर में पावन मंगसिर नवमी के अवसर पर दादी-जी का जन्मोत्सव धूम-धाम से मनाया जा रहा है।

(12-13 नवम्बर 2025) को राजातालाब स्थित श्री रानी सती मंदिर समिति द्वारा यह दो-दिवसीय महोत्सव श्रद्धा व भक्ति और उल्लास के साथ आयोजित किया गया है।

मंदिर समिति के अध्यक्ष श्री किशोर ड्रोलिया ने बताया कि 12 नवम्बर 2025 (बुधवार) की रात्रि 08:00 बजे से ज्योति प्रज्वलित कर आयोजनों की शुरुआत होगी। उसके बाद 08:30 बजे से भजन-कीर्तन का कार्यक्रम आरंभ होगा और मध्यरात्रि 12:30 बजे आरती एवं छप्पनभोग प्रसाद का वितरण होगा।

प्रचार-प्रसार प्रभारी श्री कैलाश अग्रवाल ने बताया कि 13 नवम्बर (गुरूवार) को प्रातः 07:30 बजे जात-धोक पूजा का आयोजन रहेगा। दोपहर 02:00 बजे से दादी जी का मंगल-पाठ होगा, जिसका समापन संध्या 06:30 बजे महा-आरती के साथ होगा। मंदिर समिति ने सभी श्रद्धालुओं, मातृशक्ति एवं दादी भक्तों से सादर निवेदन किया है कि वे अपने परिवार सहित इस पावन अवसर पर उपस्थित होकर दादी जी का आशीर्वाद प्राप्त करें और

दादी-जी के जन्मोत्सव में सम्मिलित होकर भक्ति-भाव से कार्यक्रम का लाभ उठाएँ।

जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक संपन्न

रबी सिंचाई कार्यक्रम निर्धारण हेतु 5 जनवरी से 20 अप्रैल 2026 तक पानी देने का सर्वसम्मत निर्णय

जांजगीर-चांपा /

कलेक्टर जन्मेजय महोबे की अध्यक्षता में रबी सिंचाई कार्यक्रम निर्धारण हेतु जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक कलेक्टोरेट कार्यालय के सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में विधायक जांजगीर-चांपा श्री ब्यास कश्यप, विधायक पामगढ़ श्रीमती शेषराज हरबंश, जिला पंचायत अध्यक्ष इंजी. सत्यलता आनंद मिरी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री गगन जयपुरिया, जिला पंचायत सदस्य श्री राजकुमार साहू, श्री गुलाब सिंह चंदेल, श्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री दिनेश शर्मा, श्री संदीप तिवारी, श्री दुष्यंत सिंह, श्री कोमल पटेल, अधीक्षण अभियंता केलो मंडल श्री ए.एल. कुर्रे, कार्यपालन अभियंता हसदेव नहर जल प्रबंध संभाग जांजगीर श्री शंशाक सिंह, उप संचालक कृषि श्री ललित मोहन भगत, उपप्रबंधक बीज निगम श्रीमती नम्रता, कृषकगण सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

बैठक में समिति के सचिव कार्यपालन अभियंता, हसदेव नहर जल प्रबंध संभाग जांजगीर ने बताया कि जहां-जहां नहर मरम्मत कार्य के निविदा कार्य प्रगतिरत है वहा पानी मरम्मत के उपरांत दिया जाएगा। बैठक में बायीं तट नहर प्रणाली एवं दायी तट नहर प्रणाली की अकलतरा शाखा नहर के 32 कि.मी. (ग्राम पामगढ़) के नीचे पानी पूर्णतः बंद रहेगा। जांजगीर शाखा नहर प्रणाली के अन्तर्गत मुड़पार शाखा नहर के 8 कि.मी. (ग्राम सेमरा) तक एवं नवागढ़ शाखा नहर के 16 कि.मी. (ग्राम खैरताल) तक पानी दिया जायेगा। कृषकगण रबी सिंचाई हेतु प्रस्तावित गांवो एवं रकबा की सूची जल संसाधन विभाग के कार्यालय में प्राप्त कर सकते है। बैठक में सर्वसम्मति से 05 जनवरी 2026 से 20 अप्रैल 2026 तक पानी देने का निर्णय लिया गया। जिसके मध्य निस्तारी के लिये पानी तालाबो को भरने के लिये दिया जायेगा। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने कृषि विभाग एवं बीज निगम के अधिकारियों को रबी कार्यक्रम में जल संसाधन विभाग द्वारा दिये गये प्रस्तावित रकबे के अनुसार तैयारी करने के निर्देश दिये है।

जिला प्रशासन द्वारा रोका गया बाल विवाह

जांजगीर-चांपा

कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन में बाल विवाह की सूचना प्राप्त होते ही जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती अनिता अग्रवाल और जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री गजेन्द्र सिंह जायसवाल के नेतृत्व एवं पुलिस विभाग के सहयोग से ग्राम कमरीद में बाल विवाह रोका गया।

जिला बाल संरक्षण अधिकारी ने बताया कि विकासखंड पामगढ़ के ग्राम कमरीद में बालिका के घर जाकर उसके अंकसूची की जांच किया गया जहां बालिका की उम्र 16 वर्ष 05 माह होना पाया गया, जोकि विवाह हेतु निर्धारित उम्र से कम था। विभाग के अधिकारी कर्मचारीयों द्वारा बालिका व उनके माता-पिता एवं स्थानीय लोगों को बाल विवाह के दुष्परिणामों से अवगत कराया तथा समझाईश दी गई। साथ ही स्थानीय लोगों की उपस्थिति में बालिका के माता-पिता की सहमति से बालिका का विवाह को रोका गया एवं लड़कियों का विवाह के लिए निर्धारित उम्र 18 वर्ष तथा लड़कों के लिए निर्धारित उम्र 21 वर्ष के पूर्व विवाह न करने संबंधी घोषणा पत्र व राजीनामा पत्र में हस्ताक्षर कराया गया। इस अवसर पर संबंधित विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

श्री शिवरीनारायण मठ महोत्सव की तैयारी जोरों पर

अयोध्या से पधारेंगे आचार्य जी श्रीमद् भागवत महापुराण की कथा सुनाने

जांजगीर चांपा / धर्म एवं आध्यात्म की पावन नगरी श्री शिवरीनारायण में प्रतिवर्षानुसार श्री शिवरीनारायण मठ महोत्सव के परिपेक्ष में आयोजित होने वाले श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ की तैयारी जोरों से चल रही है । श्री शिवरीनारायण मठ मंदिर के विशाल प्रांगण में मंच निर्माण एवं साज- सज्जा अनवरत जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार

इस वर्ष यह आयोजन 17 नवंबर तदनुसार मार्ग शीर्ष अगहन कृष्ण पक्ष त्रयोदशी, दिन सोमवार से 25 नवंबर 2025 मार्गशीर्ष अगहन शुक्ल पक्ष पंचमी, दिन मंगलवार तक आयोजित होगा। कार्यक्रम का समय सुबह 9 :00 से दोपहर 12 :00 बजे तथा अपराह्न 3 :00 से शाम 6 :00 बजे तक निर्धारित है। कथा श्रवण करने वाले श्रद्धालुओं के लिए नि :शुल्क भोजन प्रसाद एवं ठहरने की व्यवस्था है।

व्यास पीठ पर विराजित होने के लिए आचार्य बेला रामकोट अयोध्या से अनंत श्री विभूषित श्री स्वामी मधुसूदनाचार्य वेदांताचार्य जी महाराज का आगमन होगा। महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज एवं श्री भगवान शिवरीनारायण मठ मंदिर न्यास के सभी सदस्यों ने श्रद्धालु भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।

आदतन बदमाश गौरी उर्फरोहित बर्मन को एक वर्ष के लिए किया गया जिला बदर

जिला दण्डाधिकारी एवं कलेक्टर जांजगीर- चाम्पा द्वारा की गई आदेश पारित

जांजगीर चांपा / आदतन बदमाश गौरी उर्फरोहित बर्मन कोसा निवासी के विरूद्ध एक वर्ष के लिए जिला बदर का आदेश जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर जांजगीर चांपा द्वारा पारित किया गया है ।

ज्ञात हो आदतन बदमाश के विरुद्ध अलग-अलग धाराओं के तहत् कुल 16 अपराधिक प्रकरण एवं 21 प्रकरणों में प्रतिबंधात्मक कार्यवाही दर्ज है जिसमे चोरी करना, लोगो को गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी देना, घर में घुसकर मारपीट करने एवं आर्म एक्ट के मामले संबंधी अलग- अलग मामले शामिल है । पुलिस द्वारा आदतन बदमाश के अपराधिक गतिविधि की प्रवृत्ति में कोई सुधार नहीं होने के कारण आम जनता में इसके प्रति भय एवं आक्रोश का वातावरण बुना हुआ था जिसे ध्यान में रखते हुए बदमाश के विरुद्ध जांजगीर - चाम्पा जिला से जिला बदर की कार्यवाही हेतु प्रतिवेदन पूर्व में भेजा गया था।

आदतन बदमाश गौरी उर्फ रोहित बर्मन निवासी कोसा थाना मुलमुला के दुस्साहसी प्रवृत्ती एवं लोगों के साथ मारपीट कर लडाई झगड़ा करने की शिकायत है परन्तु इसके बाद भी अनावेदक के अपराधिक गुण्डागर्दी मारपीट, जान से मारने की धमकी देना, घर अंदर घुसकर मारपीट करना, चोरी करने में कोई सुधार नही हुआ है । वह इतना दुस्साहसी एवं आक्रमक प्रवृत्ती का है जिससे आम जनता इसके विरूद्ध थाना में रिपोर्ट दर्ज कराने में कतराते हैं, इसके द्वारा अपराधिक कृत्य करने एवं संज्ञेय अपराध घटित करने तथा शांति भंग करने की पूर्ण आशंका होने से पुलिस अधीक्षक जांजगीर- चाम्पा द्वारा बदमाश के विरूद्ध जिला बदर की कार्यवाही हेतु माननीय कलेक्टर महोदय जांजगीर को विस्तृत प्रतिवेदन भेजा गया था। बदमाश की अपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु अन्य कोई विकल्प ना होने से इसके अपराधिक कृत्यों पर नियंत्रण रखने एवं क्षेत्र के जन मानस व जान माल की सुरक्षा क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु बदमाश के विरूद्ध छ.ग. राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 3 एवं 5 के तहत जिला बदर

की कार्यवाही कर तत्काल जिला जांजगीर -चाम्पा व सरहदी जिला सक्ति, रायगढ़, बिलासपुर, कोरबा, बलौदा बजार से जिला बदर की कार्यवाही, माननीय जिला दण्डाधिकारी महोदय एवं कलेक्टर जांजगीर -चाम्पा द्वारा आदेश पारित कर 1 वर्ष के लिए जिला बदर की कार्यवाही किया गया है ।

आदेश की किया तामिली - उसके विरुद्ध जिला बदर की कार्यवाही आदेश पारित होने के बाद आज मुलमुला पुलिस टीम द्वारा उसके गांव कोसा पहुंचकर जिला दंडाधिकारी द्वारा पारित आदेश कापी की तामिली किया गया है जिसमें मुलमुला थाना टीम के अधिकारी कर्मचारी शामिल रहे ।

यातायात पुलिस द्वारा चलाया गया विशेष चेकिंग अभियान

जांजगीर चांपा / यातायात पुलिस द्वारा आज विशेष चेकिंग अभियान चलाकर अनेक कार्यवाही किया गया है । इसमें बिना हेलमेट, ट्रिपल सवारी, तेज गति वाहन चलाने, मालवाहक में सावरी बैठाना, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग करने, शराब सेवन कर वाहन चलाने के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई। इस कार्यवाही में एक दिवस में 6 शराबी वाहन चालकों को पकड़ा, जिसके वाहनों को जप्त कर शराबियों के विरुद्ध धारा 185 स्न्न्.ष्ट्ठ के तहत कार्यवाही की गई । इसके अतिरिक्त 48 वाहन चालकों को भी पकड़ा गया जिसके विरुद्ध स्न्न्.ष्ट्ठ के तहत कार्यवाही करते हुए समन शुल्क चार्ज लिया गया है । ज्ञात हो कि पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन में सड़क दुर्घटनाओं को दृष्टिगत रखते हुए उचित बचाव के लिए जांजगीर चांपा पुलिस द्वारा यातायात नियमों का उलंघन करने वालों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात उदयन बेहार के नेतृत्व में यातायात पुलिस द्वारा जिले के अलग अलग जगहों हाइवे रोड, अन्य राजमार्गों में यातयात नियमों का उलंघन करने पाए जाने वालों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर सघन चेकिंग की जा रही है।

छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष संदीप शर्मा ने ली विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक

जांजगीर-चांपा /

छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष श्री संदीप शर्मा ने आज जिला कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में छत्तीसगढ़ खाद्य आयोग के अध्यक्ष ने राज्य में संचालित खाद्य सुरक्षा, पूरक पोषण आहार, मध्यान्ह भोजन, छात्रावास, आंगनबाड़ी और राशन दुकानों की कार्यप्रणाली एवं योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की।

बैठक में छत्तीसगढ़ खाद्य आयोग की सदस्य श्रीमती ज्योति किशन कश्यप, कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे, जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे, छत्तीसगढ़ खाद्य आयोग के सचिव श्री राजेश जायसवाल, जिला खाद्य अधिकारी श्री कौशल साहू सहित शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा आदिम जाति विकास विभाग एवं संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान छत्तीसगढ़ खाद्य आयोग अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि हितग्राहियों तक समय पर खाद्यान्न एवं पोषण आहार पहुँचाना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि शासन की मंशानुसार योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुँचे। इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें और यह सुनिश्चित करें कि जिले में खाद्य एवं पोषण सुरक्षा योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुँचे। उन्होंने निर्देश दिए कि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु अधिकारी नियमित रूप से निरीक्षण करें। अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि राशन की समय पर आपूर्ति और भंडारण की स्थिति का संबंधित अधिकारी स्वयं स्थल पर जाकर निरीक्षण करें। उन्होंने निर्देश दिए कि नागरिकों की शिकायतों के लिए शासकीय उचित मूल्य, स्कूल, छात्रावास एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों के दीवार पर आयोग का टोल-फ्री नंबर प्रदर्शित किया जाए। शिकायतों का निराकरण त्वरित एवं प्रभावी तरीके से किया जाए ताकि आमजन को योजनाओं का वास्तविक लाभ मिल सके। अध्यक्ष श्री शर्मा ने विद्यालयों, छात्रावासों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में मीनू के अनुसार गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

रायपुर में एक लाख से ज्यादा फर्जी मतदाता, मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण बेहद आवश्यक : सांसद बृजमोहन अग्रवाल

सांसद बृजमोहन ने फर्जी मतदाताओं को हटाने और पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने पर दिया जोर

रायपुर, सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि लोकतंत्र की सशक्तता और पारदर्शिता के लिए आवश्यक है कि कोई भी वैध मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहे और कोई भी फर्जी मतदाता मतदाता सूची में शामिल न हो। इसके लिए मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अत्यंत आवश्यक है। श्री अग्रवाल ने सोमवार को रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के पुरानी बस्ती, लाखे नगर, भाटागांव, सदर बाजार और सिविल लाइन मंडल के ब्लॉक लेवल एजेंट्स एवं पार्टी कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक ली। उन्होंने कहा कि यह समय मतदाता सूची को शुद्ध करने का है और प्रत्येक कार्यकर्ता को इस कार्य में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि

जिन मतदाताओं के नाम एक से अधिक स्थानों पर हैं, उनके नाम केवल एक वैध पते पर रहें। जो मतदाता अब अन्य स्थानों पर निवास करने लगे हैं या जिनकी मृत्यु हो चुकी है, उनके नाम सूची से हटाए जाएं। वहीं, जिन पात्र नागरिकों के नाम अभी तक सूची में नहीं हैं, उनके नाम जोड़े जाएं।

सांसद अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे ब्लॉक लेवल अधिकारियों को पूर्ण सहयोग दें ताकि राजधानी रायपुर में मतदाता सूची का शुद्धिकरण कार्य पारदर्शी और प्रभावी तरीके से पूरा किया जा सके।

बैठक में जिला भाजपा अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर, ब्रजेश पांडे, कुंजन प्रजापति, मंडल अध्यक्ष केदार धनगर, सचिन सिंघल, अभिषेक तिवारी, सुनील कुकरेजा, संतोष सोनी, पार्षदगण, बीएलए, तथा पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

दिल्ली बम धमाके की घटना को लेकर जांजगीर चांपा पुलिस अलर्ट

जांजगीर चांपा /

दिल्ली बम धमाके की घटना से जांजगीर चांपा पुलिस अलर्ट मोड़ में आ गई है और सुरक्षा ब्यवस्था को मद्देनजर रखते हुए रेलवे स्टेशन, होटल, लॉज, ढाबा, बस स्टैंड, भीड़ भाड़ जगहों का सघन चेकिंग की जा रही है । इसके साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों सतत निगरानी रखते हुए लगातार पेट्रोलिंग भी की जा रही है । पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन में जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए किसी प्रकार से अप्रिय घटना, जनहानि ना हो एवं लुट, चोरी आदि की घटना ना हो जिसको मद्देनजर रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन में तथा एसडीओपी चांपा यदुमणि सिदार एवं सीएसपी जांजगीर योगिताबाली खापर्डे के नेतृव में जांजगीर चांपा पुलिस द्वारा जिले के होटल, लाज, ढाबा, बस स्टैंड, भीड़ भाड़ जगहों, रेलवे स्टेशन चम्पा, नैला की सघन चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान स्टेशन तथा सभी प्लेटफार्म में उपस्थित व ट्रेन से आने वाले सभी यात्रियों की सघन जाँच की गई।

खास खबर

कुसमुंडा में सड़क हादसे में अदानी पावर कर्मी सुभाष तिवारी की मौत, क्षेत्र में शोक की लहर

कोरबा।

जिले के कुसमुंडा क्षेत्र अंतर्गत विकास नगर निवासी सुभाष तिवारी (45 वर्ष) की गुरुवार को सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। हादसे की खबर फैलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, सुभाष तिवारी अदानी पावर कंपनी में कार्यरत थे। वे घुड़देवा स्कूल के छात्र रहे हैं और खेलकूद में हमेशा आगे रहते थे। वे अपने मिलनसार स्वभाव के लिए जाने जाते थे और छोटे-बड़ों को मित्र, मितान और भ्राता कहकर संबोधित करते थे। गुरुवार की सुबह वे किसी कार्य से आदर्श नगर की ओर गए थे। वापसी के दौरान सकरे लक्ष्मण नाला पुल पर किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वे बाइक सहित नाले में गिर पड़े। सिर पर गंभीर चोट लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मर्ग पंचनामा किया और अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर जांच शुरू कर दी है। शव का पोस्टमार्टम गुरुवार दोपहर किया गया और परिजनों को सौंप दिया गया। सुभाष तिवारी के परिवार में उनकी वृद्ध मां, पत्नी और दो बेटियां हैं। उनके निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। शुक्रवार को विकास नगर स्थित मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया, जहां बड़ी बेटी ने नम आंखों से पिता को मुखाग्नि दी।

युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा का प्रथम कोरबा प्रवास आज, बद्री अग्रवाल की अगुवाई में होगा भव्य स्वागत

कोरबा ।

भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा का बहुप्रतीक्षित प्रथम कोरबा जिला प्रवास 10 नवम्बर को प्रस्तावित है। उनके आगमन के ऐलान के साथ ही पूरे कोरबा जिले में उत्साह, जोश और एकता की नई लहर दौड़ पड़ी है। युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं से लेकर वरिष्ठ भाजपा नेताओं तक, हर कोई इस प्रवास को लेकर खासा उत्साहित है। जगह-जगह स्वागत तोरणद्वार, फूलों की सजावट और भव्य बाइक रैलियों की तैयारियों ने जिले का माहौल राजनीतिक उत्सव में बदल दिया है।

भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बद्री अग्रवाल सहित जिले के युवा, प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत के लिए पूरी ऊर्जा के साथ जुटे हुए हैं। यह प्रवास कोरबा की धरती पर भाजपा युवा शक्ति की संगठन क्षमता और नेतृत्व का भव्य प्रदर्शन माना जा रहा है।

बद्री अग्रवाल ने बताया कि जिले के सभी युवा मोर्चा कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्रों में पूर्ण समर्पण और जोश के साथ तैयारियों में लगे हुए हैं। भाजपा के सभी प्रकोष्ठ, मोर्चा और संगठन इकाइयाँ मिलकर इस प्रवास को प्रेरणादायी और अविस्मरणीय बनाने के लिए एकजुट हैं।

महिलाएं जल्द करा लें 'महतारी वंदन' की e-KYC, वरना खाते में नहीं आएगी अगली किस्त

लोकशक्ति

बिलासपुर: राज्य सरकार की महत्वकांक्षी महतारी वंदन योजना के अंतर्गत राज्य में पात्र महिलाओं को हर महीने 1 हजार रुपये मिलते हैं। लेकिन इस योजना की लाभार्थी महिलाओं को मिलने वाला पैसा बंद हो सकता है, क्योंकि प्रदेश में 4.18 लाख महिलाओं ने अपना ई-केवाईसी नहीं कराया है। यदि उन्होंने जल्द ही अपना केवाईसी नहीं कराया, तो योजना की 20वीं किस्त उनके खाते में नहीं आएगी।

बता दें कि प्रदेश के सभी जिलों में ऐसी बहुत महिलाएं हैं, जिन्होंने अबतक अपना केवाईसी नहीं कराया है। बिलासपुर जिले में भी महतारी वंदन योजना से लाभांवित लगभग 10 हजार महिलाओ ने अपना ई केवायसी नहीं करवाया है। यदि उन्होंने जल्द ही अपना केवाईसी नहीं कराया, तो उन्हें महतारी वंदन योजना की 20वीं किस्त से वंचित होना पड़ सकता हैं।

राज्य शासन ने निर्देश जारी कर जिन महिलाओं का आधार एक्सपायरी हो चुका है, उनका आधार अपडेट करवा कर ई केवायसी करने का आदेश दिया हैं। ऐसा न करने पर उन्हें योजना के तहत मिलने वाली 1,000 मासिक किस्त से वंचित होना पड़ सकता है।

ई-केवाईसी कराना आवश्यक

जिले में महतारी वंदन योजना के 4 लाख 20 हजार महिला हितग्राहियों को योजना का लाभ मिल रहा हैं। योजना के तहत दस हजार महिलाएं ऐसी हैं, जिनका आधार कार्ड विवरण अपडेट नहीं हुआ है या एक्सपायर हो चुका है। महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यह समस्या मुख्य रूप से आधार कार्ड के हर दस साल में अपडेट होने की अनिवार्यता के कारण उत्पन्न हुई है।

आधार कार्ड के नियमित अपडेट का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हितग्राही वास्तव में जीवित है या नहीं, उसने अपना निवास स्थान मकान, जिला या राज्य तो नहीं बदल लिया है, या उसके विवरण में कोई अन्य महत्वपूर्ण बदलाव तो नहीं हुआ है।अधिकारी इसे एक प्रकार का जीवन प्रमाण बताते हैं, जो सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता और सही लाभार्थी तक लाभ पहुंचाने के लिए आवश्यक है।

आंगनबाड़ी केंद्र जाकर जल्द कराएं केवाईसी - जिन 10 हजार महिलाओं का केवाईसी अपडेट नहीं है, उन्हें तुरंत अपने नजदीकी आंगनबाड़ी केंद्र, महिला एवं बाल विकास कार्यालय में जाकर प्रक्रिया पूरी करवानी होगी। विभाग ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जिन महिलाओं का आधार विवरण अमान्य पाया जाएगा, उनका भुगतान अस्थायी रूप से रोक दिया जाएगा।

महतारी वंदन योजना क्या हैं

महतारी वंदन योजना की मुख्य उद्देश्य राज्य की विवाहित महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना हैं। पात्र विवाहित महिलाओं को प्रति माह 1,000 की वित्तीय सहायता सीधे उनके बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से प्रदान की जाती है। यह राशि महिलाओं को उनके स्वास्थ्य, पोषण और घरेलू जरूरतों को पूरा करने में सहयोग करती है।

पास्टर कहता था मत लगाओ सिंदूर और बिंदी, हिंदू महिलाओं को बरगलाकर मतांतरण की कोशिश

कोरबा के चैतमा में पास्टर और दंपति पर मामला दर्ज

बरगलाकर महिलाओं को मतांतरित करने की कोशिश

पुलिस ने आरोपियों गिरफ्तार कर थाने से दे दी जमानत

संवाददाता

कोरबा जिले के चैतमा गांव में एक पास्टर और एक दंपती पर दूसरों को बरगलाकर मतांतरित कराने का आरोप लगा है। पुलिस ने मामले में पास्टर समेत तीन के विरुद्ध धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाने की कार्रवाई की है। हिरासत में लिए गए आरोपी को थाने से ही जमानत दे दी गई।

जानकारी के अनुसार, पटपरा गांव में रहने वाले श्यामलाल सारथी और उसकी पत्नी ने पिछले कुछ हफ्तों से गांव में ही रहने वाले गनपत और उसकी पत्नी कुंवारी कंवर के घर आना-जाना शुरू किया था। गांव के लोगों का कहना है कि करीब एक साल पहले गनपत और उसकी पत्नी ईसाई धर्म से प्रभावित होकर मतांतरित हो चुके हैं। गांव की महिलाओं को रविवार की प्रार्थना सभा में बुला कर ईसाई धर्म अपनाने प्रेरित किया जा रहा है। इस बात पुष्टि हुई, जब श्यामलाल सारथी ने चैतमा पुलिस सहायता केंद्र में लिखित शिकायत की। जिसमें उन्होंने बताया कि जटगा के गोसाइ गांव में रहने वाला पास्टर दोहन साय यादव गनपत के घर हर रविवार को आता है और प्रार्थना सभा की आड़ में महिलाओं को बुला कर सिंदूर, बिंदी नहीं लगाने व मंगलसूत्र नहीं पहनने की समझाइश देता है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि पास्टर हिंदुओं को धर्म परिवर्तन करने के लिए बरगला रहा और घर में रखे देवी- देवताओं की तस्वीर को हटाने के लिए कहता है। उसने यह भी बताया है कि पास्टर ने उसके पुत्र और बहू को भी बरगलाने में कोई कोर कसर बाकी नहीं रखा। घर के आंगन में स्थापित शिवलिंग को उठा कर बाहर फेंक देने के लिए उन्हें उकसा रहा था।

शिकायत के आधार पर पुलिस सहायता केंद्र प्रभारी अफसर खान ने धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचने व धर्म परिवर्तन के लिए बरगलाने का मामला पास्टर, गनपत सिंह और उसकी पत्नी के विरुद्ध धारा 299, 3-5 बीएनएस के तहत पंजीबद्ध किया है। रविवार को हिरासत में लेने के कार्रवाई के साथ ही थाने में जमानत देकर रिहा कर दिया गया। प्रभारी खान का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट ने तीन साल की सजा के प्रविधान के मामले में जमानत की व्यवस्था दी है। आरोपितों को जल्द ही न्यायालय में पेश किया जाएगा।

ऐसे प्रभावित हुए दंपति

गनपत की पत्नी कुंवारी कंवर की तबियत हमेशा खराब रहती थी। बताया जा रहा है कि वह उपचार के लिए पोड़ी उपरोड़ा स्वास्थ्य केंद्र जाती थी। वहां पास्टर दोहन साय के संपर्क में आई और उसने स्वास्थ्य ठीक कर देने का दावा किया। इसके बाद से कंवर दंपति का ईसाई धर्म के प्रति झुकाव शुरू हुआ और पटपरा स्थित अपने घर में ईसाई मिशनरीज की गतिविधियां शुरू कर दी।

रविवार को आसपास की 15 से 20 महिलाएं प्रार्थना सभा में शामिल हुआ करती थी। इस बात को लेकर गांव में रहने वालों में अंदर ही अंदर असंतोष व्याप्त था। बढ़ती नाराजगी को देखते हुए पुलिस को कार्रवाई करनी पड़ी।

दो माह में पुलिस ने दर्ज किया तीसरा मामला - जिले में दो माह के अंदर मतांतरण का यह तीसरा मामला है, जब पुलिस ने शिकायत के आधार पर अपराध दर्ज किया है। इसके पहले ढोढीपारा के एक मकान में रात को प्रार्थना सभा किए जाने के दौरान बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने धावा बोल कर हंगामा किया था।

मुड़ापार बायपास कोल साइडिंग मोड़ डस्ट से पटा, लोगों ने सड़क से बनाई दूरी

कोरबा ।

शहर से इमलीडुग्गू चैक तक वाहनों की आवाजाही के लिए बनी मुड़ापार बायपास पर मानिकपुर रेलवे फाटक से स्टेशन के सेकंड एंट्री के आगे कोल साइडिंग मोड़ तक सडक डस्ट से पटा पड़ा है। इसकी वजह से भारी वाहन के गुजरते ही मार्ग पर धूल का गुबार छा जाता है।

यही कारण है कि शहरवासियों ने उक्त बायपास सडक से दूरी बना ली है। शहर के घंटाघर-निहारिका समेत जिला मुख्यालय की ओर से इमलीडुग्गू चैक, जो अब गौमाता चैक के नाम से जाना जाता है, उस ओर आवाजाही के लिए राहगीर ट्रांसपोर्टनगर से सुनालिया चैक होते हुए गुजरते हैं। इसकी वजह से सुनालिया पुल पर दिनभर रुक-रुककर जाम लगता है। शहर में नो एंट्री सिस्टम लागू होने के बाद अब सुबह से रात तक मुड़ापार बायपास में भारी वाहनों का दबाव कम होने और ट्रांसपोर्टनगर से इमलीडुग्गू जाने की अपेक्षा बायपास से 2 किमी की दूरी कम होने के बाद भी राहगीर धूल के गुबार के डर से उक्त मार्ग का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। डस्ट के कारण ही रेलवे के सेकंड एंट्री की ओर टिकट घर व पार्किंग की सुविधा शुरू होने के बाद भी यात्रियों की संख्या नहीं बढ़ सकी है। मुड़ापार बायपास का इस्तेमाल हो सके और सुनालिया पुल के साथ-साथ संजय नगर फाटक पर यातायात का दबाव कम हो सके, इसके लिए प्रशासन पुलिस भी ठोस पहल नहीं कर रही है।

सर्वमंगला चैक से उरगा और बलौदा की ओर जाने सर्वमंगला नहर बायपास बनने के बाद से कोयलांचल से शहर के भीतर से गुजरकर उरगा होते गंतव्य की ओर आवाजाही करने वाले भारी वाहनों का दबाव कम हो गया है। वहीं सुबह से रात 10 बजे तक नो एंट्री लगे होने से सीएसईबी चैक व इमलीडुग्गू चैक की ओर से भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक है।

महापौर ने दिव्यांग विरेन्द्र दास को ट्रायसिकल प्रदान की

संवाददाता

कोरबा ।। महापौर संजूदेवी राजपूत ने नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्रांतर्गत रामनगर बस्ती के निवासी दिव्यांग श्री विरेन्द्र दास को ट्रायसिकल प्रदान की, उन्होने श्री दास को अपनी शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ववल भविष्य की कामना की, इस मौके पर पार्षद लक्ष्मण श्रीवास, धनश्री साहू एवं प्रीति दिनेश शर्मा, उपायुक्त बी.पी.त्रिवेदी, अजय साहू, दिनेश शर्मा आदि के साथ अन्य लोग उपस्थित थे।

नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली रामनगर बस्ती के निवासी श्री विरेन्द्र दास पैरों से दिव्यांग हैं तथा उन्हें कहीं भी आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता है, आज निगम के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत परिसर में महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने श्री दास को ट्रायसिकल प्रदान की तथा उन्हें अपनी शुभकामनाएं दी।

इस मौके पर श्री विरेन्द्र दास ने महापौर श्रीमती राजपूत के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनका धन्यवाद किया तथा कहा कि ट्रायसिकल प्राप्त हो जाने के कारण अब मुझे कहीं भी आने-जाने में किसी प्रकार की असुविधा व परेशानी नहीं होगी।

शहर व जिले की जर्जर सड़कों को लेकर कांग्रेस का बड़ा विरोध प्रदर्शन

जनप्रतिनिधियों की कार्यशैली पर उठे सवाल

कोरबा

शहर और जिले की जर्जर सड़कों को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी ने शहर अध्यक्ष नत्थूलाल यादव के नेतृत्व में गौमाता चैक, सीतामणी में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेताओं ने खराब सड़कों, रेलवे फाटकों पर लगातार लगने वाले जाम और अधूरे पड़े ओवरब्रिजदृअंडरब्रिज निर्माण को लेकर सरकार और जनप्रतिनिधियों को कठघरे में खड़ा किया। धरना-प्रदर्शन को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष नत्थूलाल यादव ने कहा कि कोरबा में सड़क निर्माण और मरम्मत की जिम्मेदारी वाले जनप्रतिनिधियों ने वर्षों से सड़कों की बदहाल स्थिति पर कोई संज्ञान नहीं लिया। शहर को जोड़ने वाले प्रमुख मार्ग गोपालपुर से कटघोरा, सीतामणी से उरगा, चाम्पा के पास, सवर्ममंगला से कुसमुंडा लगभग सभी जगह सड़कें खस्ताहाल हैं, बड़े-बड़े गड्ढों के कारण लोगों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ता है।

पूर्व महापौर राजकिशोर प्रसाद ने कहा कि कोरबा की सबसे बड़ी समस्या खराब सड़कें, रेलवे फाटक और यातायात जाम है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएसईबी चैक पर वायशेप ओवरब्रिज निर्माण की प्रक्रिया वर्षों से ठप पड़ी है, जबकि पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल के प्रयासों के बाद इसके लिए 10 करोड़ रुपये की राशि सीएसईबी से स्वीकृत हुई थी। इसी तरह सुनालिया रेलवे क्रॉसिंग में अंडरब्रिज निर्माण भी वर्षों से अधर में लटका हुआ है, जिससे लोग रोजाना जाम की समस्या झेलने को मजबूर हैं। प्रदेश कांग्रेस सचिव बी.एन. सिंह ने टीपी नगर और शारदा विहार रेलवे क्रॉसिंग में भी अंडरब्रिज निर्माण की तत्काल आवश्यकता बताई। कार्यक्रम को पूर्व सभापति श्याम सुंदर सोनी, पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेंद्र जायसवाल, प्रदेश कांग्रेस सचिव विकास सिंह, नेता प्रतिपक्ष कृपाराम साहू, सांसद प्रतिनिधि सुरेश सहगल सहित अनेक वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं ने संबोधित किया।

बिलासपुर में हुआ रेल हादसा, 11 यात्रियों की मौत और 20 घायल, कौन है ज़िम्मेदार?

संवाददाता। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में 4 नवंबर 2025 को एक बड़ा रेल हादसा हुआ। इस हादसे 11 यात्रियों की मौत और 20 लोगों के घायल होने की पुष्टि की गई है। मृतकों में बिलासपुर के लोग ज्यादा हैं। हादसा 4 नवंबर को उस समय हुआ जब गेवरा मेमू लोकल ट्रेन बिलासपुर स्टेशन के आउटर पर अपनी रफ्तार से आगे बढ़ रही थी। इसी दौरान सामने मालगाड़ी खड़ी थी और दोनों ट्रेनों में टक्कर हो गई। घायल यात्रियों का इलाज रेलवे अस्पताल, सिम्स और अपोलो अस्पताल में चल रहा है। हादसे का कारण अभी स्पष्ट नहीं है लेकिन शुरुआती जानकारी के अनुसार ऑटो सिग्नल फेल होने की आशंका जताई जा रही है। रेलवे ने कमिश्नर ऑफरेलवे सेफ्टी (ष्ट्रक्र) से हादसे की जांच के आदेश दिए हैं। जांच रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट होगा कि हादसा किन कारणों से हुआ।

बता दें रेलवे ट्रेक को 14 घण्टे की मशक्कत के बाद फिर से शुरू कर दिया गया। इस हादसे के बाद हुई मौतों के बाद अब कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। बिलासपुर के लालखदान इलाके में हुई कोरबा गोंदिया मेमू ट्रेन की भक्षण टक्कर के बाद सबके जहन में सिर्फएक ही सवाल है। आखिर इस भीषण दुर्घटना का जिम्मेदार कौन है?

इस हादसे का ज़िम्मेदार कौन? रेल हादसे के स्थिति को देखते हुए ये अंदाज लगाना मुश्किल नही है कि दोनों ट्रेनों की भिड़ंत कितनी जबरदस्त

रही होगी। इस हादसे के ज़िम्मेदार कौन है यह खबर अलग अलग तरीके से सामने आ रही है। हादसे के बाद डिप्टी सीएम घायलों का हाल जानने अस्पताल पहुंचे। लेकिन रेलवे के अंदरखाने से जो खबर आ रही है उसके मुताबिक इस मामले में प्राथमिक तौर पर मेमू ट्रैन के लोको पायलट को ही जिम्मेदार माना जा रहा है। कोरबा मेमू ट्रेन के चालक विद्यासागर की इस हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। एबीपी न्यूज के अनुसार विद्यासागर के साथी पायलटों ने बताया कि वे पिछले 35 सालों से ट्रेन चला रहे थे और पूरी तरह स्वस्थ और अनुभवी चालक थे।

दूसरी ओर दैनिक भास्कर के खबर अनुसार दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के मुताबिक कोरबा-बिलासपुर रूट समेत बिलासपुर जोन में 3 महीने पहले ही 462 किलोमीटर का दायरा मॉडर्न तकनीक से लैस हो गया था। एक ट्रैक पर एक साथ एक से अधिक ट्रेनें चलने का रेलवे ने दावा भी किया था, लेकिन हादसे ने रेलवे की पोल खोल दी।

इसी के साथ इसका एक और पहलू भी सामने आ रहा है। हिंदुस्तान के खबर अनुसार इस हादसे में जवाइंट फ़ाइंडिंग रिपोर्ट सामने आ गई। सूत्रों के मुतबिक सुपरवाइज़र जांच रिपोर्ट में प्राथमिक तौर पर ट्रेन क्रू मेंबर हादसे के लिए ज़िम्मेदार ठहराया गया है। लोकल ट्रेन के क्रू मेंबर ने सिग्नल क्रॉस किया था। संबंध में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ लापरवाही से मौत और दूसरों की जान को खतरे में डालने का मामला दर्ज किया गया है। तोरवा के थाना प्रभारी अभय सिंह बैस ने बताया कि रेलवे के एक अधिकारी से प्राप्त ज्ञापन के आधार पर तोरवा पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएसएन) की धारा 106 (1) (लापरवाही से मौत का कारण बनना), 125 (ए) (दूसरों की जान या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने वाला कृत्य) और रेलवे अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि आगे की जाँच जारी है।

कमिश्नर ऑफ़ रेलवे सेफ़्टी (सीआरएस) स्तर की जांच कमेटी बनाई गई है यानी रेल संरक्षा आयुक्त पूरे मामले की जांच करेंगे उसके बाद ही पूरी वस्तु स्थिति का असली कारण पता लग सकेगा। बिलासपुर रेलवे जोन के जनरल मैनेजर तरुण प्रकाश ने पूरी दुर्घटना के ष्टक्र जांच की बात कही। वो भी 6 नवंबर से शुरू की जाएगी।

जानिए कैसे हुआ हादसा

दरअसल तेज रफ्तार कोरबा पैसेंजर ट्रेन कोरबा से बिलासपुर जा रही थी। करीब 77 किलोमीटर की दूरी तय कर ली थी। बिलासपुर पहुंचने के लिए 8 किलोमीटर तय करना बाकी था। 4 बजे के आसपास कोरबा पैसेंजर ट्रेन गतौरा रेलवे स्टेशन के लाल खदान के पहुंची। इसी बीच जिस रूट से पैसेंजर ट्रेन की गुजरने वाली थी उसी रूट पर एक मालगाड़ी खड़ी थी। तेज रफ्तार से बिलासपुर की ओर बढ़ रही पैसेंजर ट्रेन ने टक्कर मार दी। हादसा इतना भयंकर था कि पैसेंजर ट्रेन का इंजन मालगाड़ी के ऊपर चढ़ गया।

50 हजार की रिश्वत लेते नायब तहसीलदार रंगे हाथों गिरफ्तार

एंटी करप्शन ब्यूरो की कार्यवाही

बिलासपुर, संवाददाता

एंटी करप्शन ब्यूरो ने सीपत तहसील में एक बड़ी कार्रवाई अंजाम दी. यहां के नायब तहसीलदार देश कुमार कुर्रे को 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया गया. अधिकारी किसान की जमीन की फौती दर्ज करने और नामांतरण के लिए अवैध रकम मांग रहा था. डीएसपी एसीबी बिलासपुर अजितेश सिंह ने बताया कि ग्राम बिटकुला निवासी प्रवीण पाटनवार ने 30 अक्टूबर को शिकायत की थी कि उसकी दिवंगत मां के नाम पर 21 एकड़ कृषि भूमि है. फौती दर्ज कर रिकॉर्ड में उसका और उसके भाई-बहनों का नाम जोड़ने के बदले नायब तहसीलदार कुर्रे ने 1.50 लाख रुपए की मांग की थी. शिकायत की जांच में आरोप सही पाए गए. सत्यापन के दौरान आरोपी ने 1.20 लाख रुपए में सौदा तय कर लिया, जिसके बाद एसीबी ने ट्रैप की तैयारी की. 10 नवंबर को आवेदक को 50 हजार रुपए की पहली किस्त देकर भेजा गया. आरोपी ने यह रकम एनटीपीसी सीपत स्थित कॉफी हाउस में ली. जैसे ही उसने पैसे स्वीकार किए, पहले से घात लगाए एसीबी की टीम ने उसे मौके पर ही दबोच लिया. रिश्वत की पूरी राशि आरोपी से बरामद कर ली गई है. अचानक हुई कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया एसीबी ने आरोपी नायब तहसीलदार के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7 के तहत केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है. डीएसपी अजितेश सिंह ने बताया कि रिश्वतखोरी के खिलाफ यह मुहिम लगातार जारी रहेगी. उन्होंने रिश्वत मांगने से जुड़े मामलों की शिकायत के लिए मोबाइल नंबर 9926111932 और फोन नंबर 07752-250362 पर संपर्क करने की अपील की।

वित्त विभाग से कुनकुरी विधानसभा क्षेत्र के प्रमुख परियोजनाओं को मिली प्रशासकीय स्वीकृति

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले के अंतर्गत विधानसभा कुनकुरी में विभिन्न परियोजनाओं के लिए वित्त विभाग द्वारा प्रशासकीय स्वीकृति और सैद्धांतिक सहमति प्रदान की गई है।

वित्त विभाग ने तुमला से मेडर (ओडिशा सीमा) तक 12.80 किलोमीटर लंबे सड़क निर्माण कार्य के लिए ?27.73 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। इस मार्ग के बन जाने से सीमावर्ती गांवों की कनेक्टिविटी सुधरेगी और व्यापारिक एवं सामाजिक गतिविधियों को बल मिलेगा।

इसी प्रकार, विकासखंड कांसाबेल की मैनी नदी पर बगिया बैराज सह दाबयुक्त उद्वहन सिंचाई योजना के लिए ?79.38 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। इस परियोजना से किसानों को सिंचाई की स्थायी सुविधा उपलब्ध होगी तथा कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी।कुनकुरी में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए वित्त विभाग ने नवीन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय भवन निर्माण हेतु ?359 करोड़ की सैद्धांतिक सहमति प्रदान की है। इससे आदिवासी अंचल के युवाओं को चिकित्सा शिक्षा और स्थानीय नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त होंगी।साथ ही, विकासखंड फरसाबहार की कोकिया व्यपवर्तन योजना के लिए ?16.17 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है, जिससे सिंचाई और जल प्रबंधन की दिशा में क्षेत्र को दीर्घकालिक लाभ होगा।

दुर्ग–शहीद कप्तान तुषार महाजन ऊधमपुर–दुर्ग एक्सप्रेस का परिचालन प्रभावित

रायपुर । उत्तर रेलवे के जम्मूतवी क्षेत्र में विगत दिनों हुए भूस्खलन के कारण ब्रिजों का मरम्मत कार्य के फ्लस्वरूप दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चलने वाली कुछ गाडियों का परिचालन प्रभावित हो रहा है 7

विवरण इस प्रकार है-

दिनाँक 25 मार्च 2026 तक दुर्ग से चलने वाली गाड़ी संख्या 20847 दुर्ग-शहीद कप्तान तुषार महाजन ऊधमपुर एक्सप्रेस, अंबाला कैंट स्टेशन में समाप्त होगी तथा अंबाला कैंट-शहीद कप्तान तुषार महाजन ऊधमपुर के मध्य रद्द रहेगी ।

दिनाँक 27 मार्च 2026 तक शहीद कप्तान तुषार महाजन ऊधमपुर से चलने वाली गाड़ी संख्या 20848 शहीद कप्तान तुषार महाजन ऊधमपुर-दुर्ग एक्सप्रेस अंबाला कैंट स्टेशन से प्रारंभ होगी तथा शहीद कप्तान तुषार महाजन ऊधमपुर से अंबाला कैंट के मध्य रद्द रहेगी।

दिनाँक 31 मार्च 2026 तक दुर्ग से चलने वाली गाड़ी संख्या 12549 दुर्ग-शहीद कप्तान तुषार महाजन ऊधमपुर एक्सप्रेस जालंधर केंट स्टेशन में समाप्त होगी तथा जालंधर केंट से शहीद कप्तान तुषार महाजन ऊधमपुर के मध्य रद्द रहेगी। दिनाँक 02 अप्रैल 2026 तक शहीद कप्तान तुषार महाजन ऊधमपुर से चलने वाली गाड़ी संख्या 12550 शहीद कप्तान तुषार महाजन ऊधमपुर-दुर्ग एक्सप्रेस जालंधर कैंट स्टेशन से प्रारंभ होगी तथा शहीद कप्तान तुषार महाजन ऊधमपुर से जालंधर कैंट के मध्य रद्द रहेगी।

अब छत्तीसगढ़ में हर साल 10,000 युवा सीखेंगे आधुनिक तकनीक, आईटीआई कॉलेजों में आएगा बड़ा बदलाव

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गुजरात महात्मा गांधी और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की पवित्र भूमि है, जिसने पूरे देश को विकास, आत्मनिर्भरता और नवाचार का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि छत्तीसगढ़ में भी ऐसे संस्थान स्थापित हों, जहाँ युवाओं को आधुनिक तकनीक और औद्योगिक प्रशिक्षण का अवसर मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को स्वरोजगार, तकनीकी ज्ञान और उद्योगों से जोड़ने की दिशा में तेज़ी से कार्य कर रही है।मुख्यमंत्री ने कॉलेज पहुंचकर वहाँ की शिक्षण पद्धति, आधुनिक प्रयोगशालाएँ और तकनीकी सुविधाएँ ध्यानपूर्वक देखीं। उन्होंने छात्रों से बातचीत की और यह जाना कि वे किस प्रकार प्रोजेक्ट्स और मशीनों पर कार्य करते हुए व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से उनके अनुभवों और भविष्य की योजनाओं के बारे में भी चर्चा की।मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि अब राज्य के आईटीआई कॉलेजों को इस तरह विकसित करने की योजना है, जिससे युवाओं को स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग, रोबोटिक्स और ऑटोमेशन जैसी नई तकनीकों की जानकारी मिल सके। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में छत्तीसगढ़ के कॉलेजों में आधुनिक मशीनें और डिजिटल प्रशिक्षण सुविधाएँ शुरू की जाएंगी, ताकि छात्र पढ़ाई के साथ-साथ वास्तविक कार्य कौशल भी विकसित कर सकें। द्धरूज्ञश्चष्ट॥ कॉलेज के प्रबंधन ने मुख्यमंत्री श्री साय को अवगत कराया कि गुजरात में उन्होंने एक ऐसा मॉडल अपनाया है, जिसके अंतर्गत कॉलेजों को आपस में जोड़कर शिक्षा को और अधिक प्रभावी बनाया गया है। वहाँ के छात्र अब नई तकनीक सीखकर सीधे उद्योगों में काम करने में सक्षम हो रहे हैं। कॉलेज प्रबंधन ने यह भी बताया कि वे छत्तीसगढ़ में भी इसी प्रकार सहयोग करने के इच्छुक हैं, ताकि राज्य के आईटीआई कॉलेज भी आधुनिक बन सकें। योजना है कि कुछ कॉलेजों को जोड़कर एक नेटवर्क मॉडल तैयार किया जाए, जहाँ एक कॉलेज नई तकनीक में दक्ष हो और वही ज्ञान अन्य कॉलेजों तक पहुँचाए। यह नया मॉडल छत्तीसगढ़ में लागू होने से हर वर्ष लगभग 10,000 से अधिक युवाओं को नई तकनीक और आधुनिक उद्योगों से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया जा सकेगा। इससे छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ वास्तविक कार्य अनुभव प्राप्त होगा। वे मशीनों, ऑटोमेशन और नई इंजीनियरिंग विधियों की गहराई से समझ विकसित कर सकेंगे। इस प्रकार उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर मिलेंगे और वे देश के बड़े औद्योगिक प्रोजेक्ट्स में कार्य करने के लिए तैयार हो सकेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने में छत्तीसगढ़ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा, ÷युवा छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी ताक़त हैं। छत्तीसगढ़ अब ऐसे युवाओं को तैयार कर रहा है, जो नई सोच और आधुनिक तकनीक के साथ विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ेंगे।÷

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लौहपुरुष की विरासत को और सशक्त बनाया : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लौहपुरुष की विरासत को और सशक्त बनायाः मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक दल के कलाकारों से की मुलाकात और दी शुभकामनाएं

रायपुर। सरदार पटेल की 150वीं जयंती वर्ष पर आयोजित भारत पर्व में शामिल हुए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज गुजरात के केवड़िया स्थित एकता नगर में आयोजित भारत पर्व में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत पर्व हमारे देश की विविधता में एकता का प्रतीक है। यहां भारत के हर राज्य की संस्कृति, परंपरा और गौरव एक साथ देखने को मिलते हैं। कार्यक्रम में दिल्ली के उप राज्यपाल श्री वी के सक्सेना और छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को नमन करते हुए कहा कि भारत पर्व उनकी 150वीं जयंती वर्ष पर आयोजित हो रहा है, जिसका समापन धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती – राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस – पर होगा। उन्होंने कहा कि यह पर्व भारत के सांस्कृतिक और भावनात्मक एकीकरण का सशक्त प्रतीक है। मुख्यमंत्री श्री साय ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की भव्यता की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह प्रतिमा भारत की एकता की पहचान है। उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इस प्रतिमा के निर्माण का निर्णय लिया, तब देश के हर गांव से लोहा मंगवाया गया था – यह सच्चे अर्थों में एक भारत का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह सरदार पटेल ने रियासतों को जोड़कर एक भारत बनाया, उसी तरह प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने उनके सपनों के भारत को सशक्त करने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का निर्णय लेकर सरदार पटेल ने स्वतंत्र भारत में सनातन संस्कृति के वैभव को पुनः स्थापित किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सरदार पटेल के परिजनों के साथ राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया, और जब पूरे देश ने यह दृश्य देखा तो सभी भावविभोर हो उठे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हम सबका सौभाग्य है कि आज देश की विरासत प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जैसे दूरदर्शी नेतृत्व के हाथों में है, जो सरदार पटेल की सोच और आदर्शों को आगे बढ़ा रहे हैं।उन्होंने बताया कि हाल ही में राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ की झांकी ने एकता परेड में हिस्सा लिया और पूरे देश को राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया।मुख्यमंत्री श्री साय ने वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर देशभर में हुए आयोजनों का उल्लेख करते हुए कहा कि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय का वंदे मातरम् और सरदार पटेल की एकता की भावना – यही हमारी राष्ट्रीय पहचान है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सरदार पटेल ने सिविल सेवा ढांचे का भारतीयकरण किया, और आज भी हमारे प्रशासनिक तंत्र में उनकी दूरदृष्टि और सोच झलकती है।

भारत पर्व के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रस्तुति देने आए छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक दल के कलाकारों से भी मुलाकात की और उन्हें शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव श्री राहुल भगत सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

खुली नीलामी 28 नवम्बर को, अनुपयोगी सामग्री खरीदी का अवसर

कोरिया । कलेक्टर कार्यालय कोरिया के भंडार कक्ष में रखी गई अनुपयोगी सामग्री की खुली नीलामी 28 नवंबर 2025, दिन शुक्रवार को दोपहर 3 बजे कलेक्टोरेट परिसर में आयोजित की जाएगी। इस नीलामी में सोलर पावर प्लांट बैट्री, फायर सिलेंडर, विभिन्न कंपनियों की फोटो कॉपी मशीनें, कंप्यूटर प्रिंटर, मॉनीटर, सीपीयू , कुर्सियाँ, कूलर, यूपीएस, एम्प्लीफायर सहित अन्य सामग्री शामिल है। इच्छुक क्रेतागण कार्यालयीन समय में सामग्री का निरीक्षण कर सकते हैं।कलेक्टोरेट भंडार कक्ष में उपलब्ध सामग्री में 60 सोलर पावर प्लांट बैट्री, 14 फायर सिलेंडर, रिको व तोशिबा कंपनी की फोटो कॉपी मशीनें, सैमसंग और एचपी प्रिंटर, एचसीएल विप्रो एवं एजर के मॉनीटर सहित 20 कुर्सियाँ, 10 सीपीयू, 5 प्लास्टिक कूलर तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण शामिल हैं। सभी सामान 'जैसा है, जहाँ है' स्थिति में नीलाम किए जाएंगे।नीलामी में भाग लेने के लिए प्रत्येक संभावित खरीदार को बोली लगाने से पूर्व 2,500 की प्रतिभूति राशि जमा करनी होगी। जिन प्रतिभागियों की बोली स्वीकृत नहीं होगी, उन्हें यह राशि वापस कर दी जाएगी। जबकि उच्चतम बोली स्वीकृत होने पर क्रेता को उसी दिन संपूर्ण राशि जमा कर सामग्री उठाना अनिवार्य होगा।नीलामी प्रक्रिया को स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का अधिकार कलेक्टर कार्यालय को सुरक्षित रहेगा।

छत्तीसगढ़ की संस्कृति ने विदेश में बिखेरा रंग,

अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस समारोह में NACHA बे एरिया चैप्टर बना सहभागी

प्रवासी छत्तीसगढ़वासी राज्य के सांस्कृतिक राजदूत, छत्तीसगढ़ की संस्कृति को विश्व में दे रहे पहचान - मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

रायपुर। अमेरिका के सैन फ ांसिस्को स्थित भारतीय दूतावास में छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस का उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और लोक-कला ने विदेश की भूमि पर अपनी विशेष छाप छोड़ी। के बे एरिया चैप्टर ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई। उन्होंने विशेष रूप से छत्तीसगढ़ राज्य को समर्पित एक आकर्षक स्टॉल लगाया, जिसमें राज्य के विशिष्ट उत्पादों, हस्तशिल्प, लोककला और पारंपरिक आभूषणों का सुंदर प्रदर्शन किया गया। इस स्टॉल के माध्यम से छत्तीसगढ़ की कला-संस्कृति और हस्तशिल्प की विविधता को प्रदर्शित किया गया, जिसे उपस्थित अतिथियों ने अत्यंत सराहा।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य का मनमोहक प्रदर्शन, जिसने वहां मौजूद भारतीय प्रवासी समुदाय और अन्य देशों के प्रतिनिधियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पारंपरिक छत्तीसगढ़ी वेशभूषा में प्रस्तुत यह लोकनृत्य न केवल मनोरंजन का माध्यम बना, बल्कि उसने छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति की आत्मा को भी सजीव कर दिया NACHA के सदस्यों ने बताया कि उनका उद्देश्य छत्तीसगढ़ की संस्कृति, भाषा और लोक परंपरा को विश्व के विभिन्न हिस्सों तक पहुँचाना है। उन्होंने कहा कि प्रवासी छत्तीसगढ़वासी अपने मूल राज्य की पहचान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। इस आयोजन ने उन्हें अपनी जड़ों से भावनात्मक रूप से जोड़ने का एक सशक्त अवसर प्रदान किया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने NACHA बे एरिया चैप्टर के सभी सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि उनका यह प्रयास छत्तीसगढ़ की गौरवशाली परंपराओं को वैश्विक मंच पर स्थापित करने की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी छत्तीसगढ़वासी राज्य के ÷सांस्कृतिक राजदूत÷ हैं, जो अपनी जड़ों से जुड़े रहते हुए छत्तीसगढ़ की अस्मिता, संस्कृति और मूल्यों को पूरी दुनिया में स्थापित कर रहे हैं।

सौर ऊर्जा से आत्मनिर्भर बने सरपंच दीनू राम, सौर ऊर्जा से आत्मनिर्भर बने सरपंच

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से ग्रामीण क्षेत्रों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता का नया अध्याय शुरू हुआ है। इसी कड़ी में छुरिया विकासखंड के ग्राम करमरी के सरपंच श्री दीनू राम साहू ने अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का रूफ्टॉप सोलर पैनल लगाकर मिसाल पेश की है। इस पहल से उनका बिजली बिल शून्य हो गया है और वे अब अतिरिक्त बिजली का उत्पादन कर राज्य शासन को विक्रय भी कर रहे हैं।

श्री दीनू राम ने बताया कि योजना की जानकारी मिलते ही उन्होंने अपने घर में सोलर संयंत्र स्थापित कराया। इस योजना के अंतर्गत उन्हें केंद्र शासन से 78 हजार रूपए तथा राज्य शासन से 30 हजार रूपए, कुल 1 लाख 8 हजार रूपए की सब्सिडी प्राप्त हुई। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब उनका घर न केवल बिजली बिल से मुक्त है, बल्कि ऊर्जा उत्पादन में भी सक्षम बन गया है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत उपभोक्ता अपने घर की छत पर सौर संयंत्र स्थापित कर ऊर्जा का उत्पादन कर सकते हैं। नेट मीटरिंग प्रणाली के माध्यम से अतिरिक्त बिजली ग्रिड में आपूर्ति की जाती है, जिससे उपभोक्ताओं को आर्थिक लाभ भी प्राप्त होता है। यह योजना पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा बचत और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हो रही है।

15 नवम्बर से शुरू होगी समर्थन मूल्य पर धान खरीदी

अपर मुख्य सचिव श्रीमती ऋचा शर्मा ने बैठक लेकर तैयारियों की समीक्षा की

रायपुर। आगामी 15 नवम्बर से प्रारंभ हो रही धान खरीदी की तैयारियों को लेकर आज रेडक्रॉस सभाकक्ष कलेक्ट्रेट में अपर मुख्य सचिव एवं रायपुर जिले की प्रभारी सचिव श्रीमती ऋचा शर्मा ने समीक्षा बैठक ली। उन्होंने निर्देश दिए कि उपार्जन केन्द्रों में सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण हों ताकि कृषकों को धान विक्रय में किसी प्रकार की समस्या न हो। किसानों को सुगमता से धान विक्रय की सुविधा मिले और भुगतान जल्द किया जाए।

प्रभारी सचिव श्रीमती शर्मा ने कहा कि कोचियों एवं अवैध धान विक्रय-परिवहन पर निगरानी रखे एवं सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। खरीदी में धान की गुणवत्ता पर ध्यान दिया जाए तथा तेजी से धान का उठाव सुनिश्चित हो। उन्होंने निर्देश दिए कि स्टेकिंग धान की किस्म के अनुसार सही तरीके से की जाए। श्रीमती शर्मा ने सभी उपार्जन केंद्रों में कॉल सेंटर के नंबर चस्पा किए जाने के निर्देश दिए, ताकि कृषक किसी भी समस्या की जानकारी तत्काल दे सकें और उसका निराकरण समयबद्ध रूप से किया जा सके।

बैठक में जानकारी दी गई कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए रायपुर जिले में कुल 1,34,037 किसान पंजीकृत हैं और 1,26,921 हेक्टेयर क्षेत्र में धान का रकबा है। जिले में 139 उपार्जन केंद्र है। जिला स्तरीय कंट्रोल कमांड सेंटर स्थापित किया गया है, जिसमें जिला एवं ब्लॉक स्तरीय दल एवं उड़नदस्ता का गठन किया गया है। रायपुर जिले में अवैध धान परिवहन रोकने के लिए 5 चेक पोस्ट बनाए गए हैं तथा 43 कर्मियों की तैनाती उड़नदस्ते में की गई है। संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील केंद्रों का चिन्हांकन कर प्रशासनिक अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। साथ ही तहसीलदार की अध्यक्षता में गुणवत्ता जांच दल का गठन एवं बारदाने की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। प्रभारी सचिव श्रीमती शर्मा ने कहा कि कोचियों एवं अवैध धान विक्रय-परिवहन पर निगरानी रखे एवं सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। खरीदी में धान की गुणवत्ता पर ध्यान दिया जाए तथा तेजी से धान का उठाव सुनिश्चित हो। उन्होंने निर्देश दिए कि स्टेकिंग धान की किस्म के अनुसार सही तरीके से की जाए। श्रीमती शर्मा ने सभी उपार्जन केंद्रों में कॉल सेंटर के नंबर चस्पा किए जाने के निर्देश दिए, ताकि कृषक किसी भी समस्या की जानकारी तत्काल दे सकें और उसका निराकरण समयबद्ध रूप से किया जा सके।

पानी से भरे गढ्ढे में गिरकर दो मासूम बच्चों की मौत

रायपुर । राजधानी रायपुर के कबीर नगर क्षेत्र में सोमवार सुबह पानी से भरे गड्ढे में गिरकर दो मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार थाना कबीर नगर क्षेत्र में सड़क किनारे लंबे समय से कंस्ट्रक्शन काम चल रहा था। कंस्ट्रक्शन के लिए किए गए गड्ढे में बारिश के दौरान पानी भर गया था। सोमवार सुबह कुछ बच्चे वहीं खेल रहे थे, तभी दो बच्चे अचानक फिसलर पानी से भरे गड्ढे में गिर गए। कुछ ही पलों में दोनों की डूबने से मौत हो गई।

स्थानीय लोगों ने जैसे ही यह घटना देखी, मौके पर अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने बच्चों को बचाने की कोशिश की, लेकिन पानी गहरा होने के कारण वे सफल नहीं हो सके। सूचना मिलने पर पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर दोनों बच्चों के शवों को बाहर निकाला गया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। मृतकों की पहचान सत्यम (8 साल) तथा आलोक (7 साल) के रूप में हुई है। बताया जाता है कि दोनों बालक अपनी मौसी के बेटे के जन्मदिन पर वहां आये थे। और खेलते खेलते गड्ढे के पास चले गये और उसे गिर गये। हादसे के बाद पूरे इलाके में मातम का माहौल है। मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

वहीं इस हादसे के बाद घटना के विरोध में गुस्साए लोगों ने रिंग रोड नंबर-1 पर टायर जलाकर चक्काजाम कर दिया। इस दौरान मौके पर भारी भीड़ जुट गई और यातायात ठप हो गया। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचकर लोगों को शांत करने और सड़क खुलवाने में जुटे रहे।

स्थानीय लोगों में काफी आक्रोश देखा गया। लोगों का कहना है कि गड्ढे की शिकायत कई बार की गई थी, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। लोगों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफसख्त कार्रवाई की मांग की है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। **संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।**
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily **कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल** (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)